वर्षः 7- अंकः 172, मुंबई, शुक्रवार, 1 सितंबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

बकरी ईद के दौरान बेस्ट की अतिरिक्त बसें

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

कर चोरों को नहीं बख्शेगा कर विभागः जेटली

(समाचार पृष्ठ 6-7 पर)

लोगों को हंसाना जीने का शानदार तरीकाः ऋचा

(समाचार पृष्ठ 12 पर)

भिंडी बाजार में 5 मंजिला इमारत गिरी 21 की मौत

एक महीने में दूसरा हादसा

बीएमसी पर सवालिया निशान?

मुंबई। शहर में मंगलवार-बुधवार तेज बारिश के बाद भिंडी बाजार इलाके में एक पांच मंजिला इमारत गिर गई। इसमें 21 लोगों की मौत हो गई। मलबे से निकाले गए 11 लोग जख्मी हैं। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा गुरुवार सुबह हुआ। यह इमारत 117 साल पुरानी है। इसी इमारत में एक प्ले स्कूल भी चलता था। बच्चों के आने से कुछ देर पहले ही यह हादसा हुआ। नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुख जताया और कहा कि हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। बता दें कि मंगलवार को मुंबई में 316 मिमी बारिश हुई थी। कई इलाकों में पानी जमा हो गया था।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

लोग मदद के लिए आगे आए

हादसे की जानकारी मिलने के बाद आसपास रहने वालों ने खुद ही बचाव का काम शुरू कर दिया। मौके पर 12 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंच गईं। स्थानीय लोगों का कहना है कि आसपास की बिल्डिंगस पर भी असर हुआ है। उनमें दरारें आ गई हैं।

यूपी बीजेपी की कमान महेंद्र नाथ पांडेय के हाथ

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद और पीएम नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में शामिल राज्यमंत्री डॉ। महेंद्र नाथ पाण्डेय अब उत्तर प्रदेश के नए प्रदेश अध्यक्ष होंगे। डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चंदौली से 2014 में लोकसभा सदस्य चुने गए थे। अब दोबारा से वह उत्तर प्रदेश की राजनीति की कमान संभालते दिखेंगे। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद महेंद्रनाथ पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने मुझे पार्टी में बड़ी ज़िम्मेदारी दी है। मैं पार्टी का छोटा सा कार्यकर्ता हूं ये मेरे लिए सम्मान की बात है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

होटल फाउंटेन और दिल्ली दरबार ...का पाप उजागर

होटल मालिकों पर लगे कई संगीन आरोप

काशीमीरा पुलिस सतर्क छानबीन जारी

अय्याशों का मनपसंद अड्डा है होटल फाउंटेन और दिल्ली दरबार

मुंबई। मुंबई महानगर से सटे काशीमीरा पुलिस थाने के अंतर्गत घोडबंदर रोड पर वर्षों से चल रहे फाउंटेन और दिल्ली दरबार होटल का पाप तब उजागर हो गया जब इन दोनों होटल के मालिकों-तल्लाहमुखी और आदिल मुखी सहित आठ लोगों के खिलाफ थाने ग्रामीण पुलिस स्टेशन काशीमीरा में कई आपराधिक मामले दर्ज कराये गये। काशीमीरा पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी शुरु कर दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार काशीमीरा के पास घोडबंदर रोड स्थित फाउंटेन और दिल्ली दरबार नामक होटल जो अनैतिक धंधों के लिए काफी बदनाम है, के मालिक तल्लाह मुखी और आदिल मुखी पर हाशम शेख नामक व्यक्ति ने कई संगीन आरोप लगाते हुए काशीमीरा के ठाणे ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है। शिकायतकर्ता हाशम शेख द्वारा दर्ज मामले में फाउंटेन और दिल्ली दरबार होटल के मालिक तल्लाह मुखी और आदिल मुखी सहित आठ लोगों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 324, 342, 143, 506 (2) और 507 (अपहरण) के तहत आरोप लगे हैं जो इनकी काली करतूतों की कहानी बयां करता है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अच्छे काम के चलते दूसरे ही दिन सामान्य हुए हालातः शिवसेना

आलोचना करने वाले नेताओं से उनका कोई लेना देना नहीं है वे जनता के लिए काम करते हैं।

मुंबई। मंगलवार को हुई मूसलाधार बरसात के बाद विरोधी पार्टियों के निशाने पर आई मुंबई महानगपालिका (बीएमसी) की शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को जमकर तारीफ की। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में उद्धव ने कहा कि, बीएमसी के बेहतर काम के चलते ही इतनी जल्दी स्थिति सामान्य हो पाई है।

उन्होंने कहा कि आलोचना करने वाले नेताओं से उनका कोई लेना देना नहीं है वे जनता के लिए काम करते हैं। उद्धव ने कहा कि, आरोपों को लेकर मुझे कोई राजनीति नहीं करनी है। उद्धव ने कहा कि, ज्वार के समय मुंबई के ऊपर नौ किलोमीटर बादल थे अगर बादल फट गया होता तो अनर्थ हो जाता।

उद्धव ने कहा, मैं राजनीति के निचले स्तर पर नहीं जाना चाहता लेकिन आरोप लगाने वालों ने मुंबई के लिए क्या किया? उन्होंने कहा कि, मंगलवार को हुई भारी बरसात के चलते अनेक ठिकानों पर पानी भर गया और लोगों को भारी परेशानी हुई मैं यह स्वीकार करता हूं। लेकिन इसके बाद महानगर पालिका ने जिस तेजी से काम किया उसके चलते ही स्थिति नियंत्रण में आई। बीएमसी और बेस्ट कर्मचारियों की सजगता के चलते यह संभव हुआ। उन्होंने कहा कि, कई जगहों पर कचरा जमा होने के चलते बीमारी फैलने की आशंका है इसलिए गुरुवार से शिवसेना मुंबई में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करेगी।

बाहर निकाला गया 3756 एमएलडी पानी

मुंबई मनपा आयुक्त अजोय मेहता ने बताया, जगह जगह भरे पानी को निकालने के लिए मंगलवार को मुंबई महानगर पालिका की तरफ से 30 हजार कर्मचारी कार्यरत थे। 313 पंप लगाए गए थे। इससे 3 हजार 756 एमएलडी पानी बाहर निकाला गया लेकिन पानी मे मिले प्लास्टिक और थमाकॉल की वजह से पानी की निकासी धीमे गति से हुई। इसकी वजह से परेशानी बढ़ी। मनपा आयुक्त ने बताया, अग्निशमन दल के जवानों ने 12 ट्रेनों में फंसे 425 यात्रियों को बाहर निकाला। कुल 70 स्कूलों में 5 हजार लोगों के रहने की व्यवस्था की गई थी। उन्होंने कहा कि इस कार्य में स्वयंसेवी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और आम लोगो ने अपना अच्छा योगदान दिया। मेहता ने बताया, बुधवार को भी 28 हजार मनपा आयुक्त ड्यूटी पर तैनात हैं। पानी की निकासी के बाद बड़ी मात्रा में सड़कों पर कचरा एकत्र हुआ है।

सेहत का रखे खास ख्याल

मनपा आयुक्त ने लोगो से अपील की है कि वे अपनी सेहत का खास ख्याल रखे। ऐसी परिस्थिति में महानगर में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। किसी तरह की परेशानी होने पर तुरंत मनपा के स्वास्थ्य केंद्र पर जाए। शहरभर में 175 दवाखानों की व्यवस्था की गई है। कुछ दिनों तक पानी उबाल कर पिएं।

मुंबई की इस हालत के लिए शिवसेना-भाजपा जिम्मेदार : कांग्रेस

भारी बरसात के चलते मुंबई के ठप पड़ने के लिए मुंबई कांग्रेस ने शिवसेना भाजपा सरकार और मनपा आयुक्त अजोय मेहता को जिम्मेदार ठहराया है। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम ने मेहता के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा पानी निकासी के लिए महानगर में 6 पम्पिंग स्टेशन बनाए गए हैं, इस बार 1200 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। पर ये पम्पिंग स्टेशन काम नहीं कर रहे। निरुपम ने आरोप लगाया कि, भाजपा शिवसेना सरकार ने मुंबई मनपा के पैसे खाए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि, 12 साल पहले मुंबई में आई बाढ़ के बाद केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने ब्रिमस्तोवाड प्रोजेक्ट के लिए 1600 करोड़ रुपए दिए थे। अभी तक इसका सिर्फ 40 फीसदी काम ही पूरा हो सका है। मनपा हर साल 2 हजार करोड़ रुपए ड्रेनेज सिस्टम के लिए खर्च करती है। 400 करोड़ नाला सफाई पर खर्च होता है। इसके बाद भी मुंबई डूब जाती है।

शेलार ने साधा निशाना

भाजपा विधायक आशीष शेलार ने शिवसेना पर हमला बोलते हुए एक के बाद एक कई ट्वीट किए। शेलार ने लिखा-जब भाजपा नेता लोगों की मदद कर रहे थे तब बीएमसी की कुर्सी पर बैठे सत्ताधीश कहां थे? नाला सफाई का दावा किया गया तस्वीर निकाली गई लेकिन लोगों के घर में पानी घुस गया। उन्होंने कहा, अब शिवसेना को उनसे माफी मांगनी चाहिए जिन्हें परेशानी हुई। उन्होंने सवाल दागे कि क्या करदाताओं को यह स्थिति स्वीकार होगी? साथ ही पूछा- डॉक्टर अमरापुरकर कहां गायब हो गए?

70 स्थानों पर शॉर्ट सर्किट, 200 पेड़ गिरे

बारिश से जुड़े हादसों में 7 लोगों की मौत

मुंबई। मुंबई में मंगलवार को हुई तेज मूसलाधार बारिश के बाद बुधवार को हालात कुछ सुधरने लगे हैं। बारिश से जुड़े हादसों में 7 लोगों की मौत हो गई है। सड़कें बारिश के पानी से लबालब भरी हुई हैं। खुले मेनहोल जानलेवा साबित हो रहे हैं। स्कूल-कॉलेज बंद रहे। डिब्बेवालों ने भी छुट्टी रखी। 200 स्थानों पर पेड़ गिरे और 70 जगहों पर शॉट-सर्किट हुआ। बारिश में फंसने के चलते शहर के प्रसिद्ध डॉ. दीपक अमरापुरकर और मुलुंड के डॉ. माधव वैद्य लापता हैं।

58 वर्षीय डॉ. अमरापुरकर मंगलवार शाम अपनी कार से घर लौट रहे थे। इस बीच उनकी कार बारिश के कारण सड़कों पर जमा पानी में फंस गई। यहां से वे पैदल घर की ओर निकले थे।महाराष्ट्र के संसदीय कार्यमंत्री गिरीश बापट ने दक्षिणी मुंबई में बारिश की वजह से फंसे लोगों से अपील की है कि यदि उन्हें अपने घरों में आने के लिए साधन नहीं मिल रहा है तो वे कुछ समय के लिए उनके अधिकारिक घर में रह सकते हैं। अपील फेसबुक पेज के जरिए की।

नागपुर-मुंबई दुरंतो हादसा यात्रियों को मिलेगा 100% रिफंड

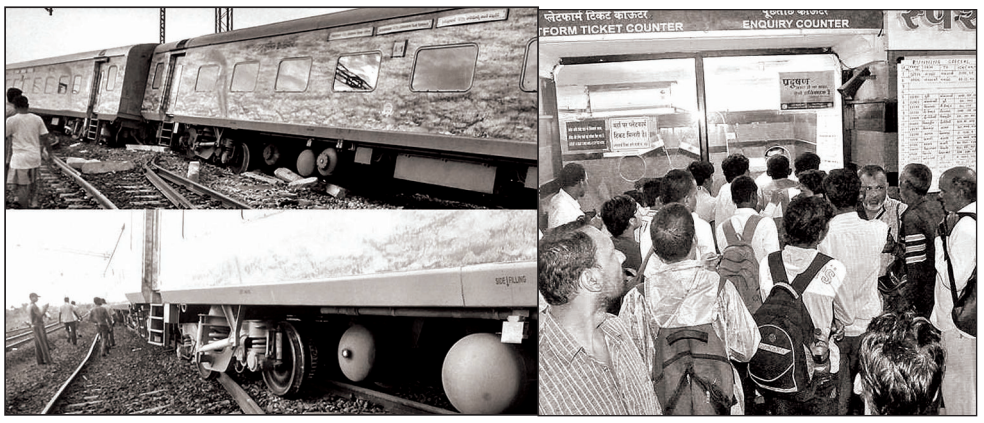

मुंबई। नागपुर से जानेवाली कई गाड़ियां रद्द कर दी तथा परिवर्तित मार्ग से चलाई जा रही हैं। ऐसे में इन गाड़ियों के सफर का पहले टिकट ले चुके यात्रियों की फजीहत हो रही है। हालांकि, जनसंपर्क अधिकारी प्रवीण पाटील ने बताया कि रेलवे की ओर 100 प्रतिशत रिफंड दिया जाएगा।सोमवार की रात नागपुर से मुंबई के लिए निकली दुरंतो एक्सप्रेस गंतव्य तक पहुंच नहीं पाई। इगतपुरी के पास गाड़ी बेपटरी हुई। 9 बोगियां पटरी से उतर गईं। इस घटना में किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई। इसकी खबर लगते ही नागपुर स्टेशन पर अपनों की पूछताछ के लिए यात्रियों के परिजनों की भीड़ लग गई।

मध्य रेलवे नागपुर मंडल ने रहेल्प बूथ' लगाया और लोगों को जानकारी मुहैया कराई। बेपटरी हुई कोच में नागपुर से बैठनेवाले 493 यात्री सवार थे। इस हादसे के कारण नागपुर से मुंबई की ओर जानेवाली व आनेवाली कुछ गाड़ियों पर ब्रेक लग गया। कुछ गाड़ियों को परिवर्तित मार्ग से रवाना किया गया। देर रात तक ट्रैक पर यातायात सामान्य नहीं हो पाया था। रात को नागपुर से छूटने वाली सेवाग्राम एक्सप्रेस को रद्द नहीं किया गया था।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पहले चाकू से मार निकाला मां का कलेजा

मिर्ची और चटनी लगाकर खा गया

कोल्हापुर। शराब के नशे में धुत एक शख्स ने सोमवार को अपनी मां पर धारदार हथियार से वार कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसने उसका कलेजा निकाल उसमें चटनी और मिर्च लगाई और उसे खा गया। घटना कोल्हापुर के तारांराणी चौराहे स्थित माकड़वाला बस्ती की है। सोमवार- मंगलवार की आधी रात पुलिस ने आरोपी बेटे को अरेस्ट कर लिया है। शाहुपुरी पुलिस ने 65 वर्षीय यलव्वा रामा कुचकोरवी की हत्या के आरोप में उसके बेटे सुनील राम कुचकोरवी को गिरफ्तार कर लिया है। शाहुपुरी पुलिस के मुताबिक, सुनील मां के साथ माकड़वाला बस्ती में रहता था। उसे शराब की लत है। इसलिए उसकी पत्नी दो बच्चों के साथ उसे छोड़कर चली गई। आरोपी सेंट्रिंग का काम करता है। सोमवार की दोपहर वह शराब पीकर घर आया और मां के साथ झगड़ा करने लगा। मामला इस कदर बड़ा कि, उसने घर का टीवी ऑन किया और धारदार हथियार से अपनी मां की हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने उसका कलेजा व आंते निकालकर बाहर निकाली और उसे चटनी और मिर्च के साथ खा गया। मां को मारने के बाद आरोपी बेटे ने खून से भरे हाथ उसने मां की साड़ी से ही पोंछे और घर फरार हो गया। उसके हाथों में खून देख पड़ोसियों ने उसे पकड़कर रखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने सुनील को उसके एक दोस्त के घर से अरेस्ट कर लिया। पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया है।

पड़ोसियों से मांगा था खाना

पुलिस ने बताया कि आरोपी सुनील के तीन बच्चे हैं। उसकी पत्नी उसे छोड़ चुकी है। शराब के नशे में धुत सुनील ने मां को मारने से पहले अपने पड़ोसियों से खाना भी मांगा था। किसी पड़ोसी के कुछ भी ना देने पर वो अपने घर जाकर मां से लड़ने लगा। पुलिस ने मौका-ए-वारदात से खून से सनी प्लेट और चटनी भी बरामद की है।

आफत की बारिश के बाद दिखा तबाही का मंजर

इस हाल में मिल रही हैं लाशें

मुंबई। शहर में मंगलवार को आई बारिश की तबाही के निशान अब सामने आने लगे हैं। मुंबई में पानी कम होने पर जगह-जगह बही गाड़ियां और डेड बॉडी मिल रही हैं। प्रशासन ने मुंबई और ठाणे में 14 लोगों के मौत की पुष्टि कर दी है। आफत की बारिश के बाद अब मुंबई में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। मुंबई में ही 6 लोगों के मरने की खबर है। इनमें शहर के प्रतिष्ठित बॉम्बे हॉस्पिटल के डॉक्टर दीपक अमरापुरकर शामिल हैं। डॉ अमरापुरकर मंगलवार शाम से गायब थे। एक शख्स ने उन्हें हॉस्पिटल के पास के मेनहोल में गिरते हुए देखा था। जिसके बाद उनकी तलाश शुरू हुई और गुरुवार तड़के मुंबई के वर्ली इलाके में उनकी डेड बॉडी बरामद हुई। मुलुंड के डॉ. एम. वैद्य भी अभी लापता हैं। जबकि सायन इलाके में बुधवार को 30 वर्षीय वकील प्रियन की लाश उनकी गाड़ी से बरामद की गई। आशंका जताई जा रही है कि उनकी मौत दम घुटने से हुई है। वहीं मुंबई पूर्वी उपनगर के विक्रोली में 3 लोगों के मरने की खबर है। सूर्या नगर में भूस्खलन के बाद दो लोगों के शव मिले। दहिसर और कांदिवली में प्रतीक सुनील और ओमप्रकाश निर्मल के खुले गटर में बह जाने की खबर है। गणपति विसर्जन के दौरान 17 साल के रोहित कुमार के डूबने की जानकारी सामने आई है। हालांकि प्रशासन की ओर से इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

बारिश के कारण अस्पतालों की ओपीडी रही खाली

मुंबई। सोमवार देर रात से हो रही बारिश के चलते अस्पतालों में जहां मरीजों का तांता लगा रहता था, वहीं मंगलवार को ओपीडी लगभग खाली नजर आई। हालांकि, बुधवार को दोपहर बाद फिर से जन-जीवन सामान्य होता नजर आया। नायर हॉस्पिटल के डीन डॉ. रमेश भारमल के मुताबिक बारिश के चलते कई मरीज अस्पताल पहुंच ही नहीं सके। नतीजतन जहां सामान्य दिन में हमारे यहां 4-5 हजार की ओपीडी होती है, वहीं मंगलवार को यह केवल 500-600 रही। भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में भी 70 प्रतिशत से अधिक कमी दिखी। ओपीडी में आए मरीजों को सुरक्षा के मद्देनजर अस्पताल में ही रखा। मरीजों की देख-रेख में लगे डॉक्टर भी देर रात तक अस्पताल में ही रुके रहे। परेल स्थित केईएम हॉस्पिटल का भी यही हाल रहा। मंगलवार की सुबह बारिश के दौरान हॉस्पिटल के कई वार्ड्स में पानी घुस गया। सबसे अधिक पीडिएट्रिक विभाग प्रभावित रहा, 30 मरीजों को ऊपर के वॉर्ड में शिफ्ट किया गया।

बकरी ईद के दौरान बेस्ट की अतिरिक्त बसें

मुंबई। बकरी ईद व बासी ईद के दौरान होनेवाली भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए बेस्ट प्रशासन ने दो दिन तक लगभग 94 अतिरिक्त बस चलाने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि 2 सितंबर को बकरी ईद व 3 सितंबर को बासी ईद का त्यौहार मनाया जाएगा। इस दिन बड़ी संख्या में लोग एक दूसरे से मिलने व घूमने जाते है है।

ऐसे में लोगों की होनेवाली भीड़ व उनकी सुविधा को देखते हुए बेस्ट प्रशासन द्वारा अधिक बसें चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसके अनुसार बेस्ट प्रशासन द्वारा लगभग 94 बसें चलाई जाएंगी। जिसमे से पहले दिन लगभग 30 बेस्ट बसें व दूसरे दिन 64 बेस्ट बसें चलाई जाएंगी। इन बसों को विविध बसमार्गों पर चलाया जाएगा। भीड़ अधिक होने पर आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त बसों की संख्या में बढ़ोत्तरी की जाएगी। साथ ही अधिक भीड़ वाले बस मार्गों पर यात्रियों की मदद करने के लिए बस निरीक्षकों, परिवहन अधिकारीयों की नियुक्ति की जायेगी।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरतं संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

पुणे की महिला को सुप्रीम कोर्ट ने दी 24 हफ्तों के भ्रूण को गिराने की अनुमति

मुंबई। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए पुणे की एक 20 वर्षीय महिला को उसका 24 हफ्ते का भ्रूण गिराने की अनुमति दे दी है। अदालत ने यह अनुमति शहर के बीजे अस्पताल की उस रिपोर्ट के आधार पर दी है जिसमें महिला के गर्भ में पल रहे बच्चे को अविकसित बताया गया है। अस्पताल के डॉक्टरों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि महिला के गर्भ में पल रहा भ्रूण अविकसित है और उसका मस्तिष्क या खोपड़ी नहीं है। इसके चलते उसके भविष्य को लेकर संदेह है। जानकारी के अनुसार जस्टिस एसए बोबडे और एल नागेश्वर राव की पीठ ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर महिला को भ्रूण को गिराने की इजाजत दी। सॉलीसिटर जनरल रंजीत कुमार केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए और जानकारी दी कि सरकार कोर्ट के हालिया निर्देश को ध्यान में रखते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित राज्यों के साथ संपर्क में है, जिससे कि मेडिकल बोर्ड ऐसे मामलों को गर्भ गिरान के ऐसे मामलों को बेहतर ढंग से डील कर सके। कोर्ट की ओर से यह निर्णय महिला की ओर से दाखिल उस याचिका पर लिया, जिसके तहत मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रग्नेंसी एक्ट की धारा 3(2) बी के आधार पर भ्रूण गिराने की इजाजत मांगी गयी थी। कहा गया कि अगर बच्चा पैदा हुआ तो उसका जीवित रहने की संभवना काफी कम होगी। एक्ट के तहत 20 हफ्तों से ज्यादा के गर्भ को नहीं गिराया जा सकता है। इसका उल्लंघन करने पर सात साल तक की सजा का प्रावधान है। हालांकि अगर मां या बच्चे की जान को खतरा होता है, ऐसी स्थिति में गर्भपात किया जा सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आरक्षण की विसंगति

यह आश्चर्यजनक है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों में उच्च पदों पर आसीन अन्य पिछड़े वर्गों के अधिकारियों के बारे में अभी तक यही स्पष्ट नहीं था कि वे क्रीमीलेयर के तहत आते हैं या नहीं? यह अस्पष्टता 1993 से चली आ रही थी, लेकिन पता नहीं किस कारण इसके पहले किसी सरकार ने इसकी जरूरत क्यों नहीं समझी कि इस विसंगति को दूर किया जाना चाहिए? चूंकि ऐसा नहीं किया गया इसलिए इन संस्थानों में उच्च पदों पर बैठे अन्य पिछड़े वर्गों के अधिकारियों की संतानें भी ओबीसी को मिलने वाले आरक्षण का लाभ उठा रही थीं। ऐसा होना आरक्षण की मूल अवधारणा के भी खिलाफ था और सामाजिक न्याय के भी। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि देश में सार्वजनिक क्षेत्र के तीन सौ से अधिक उपक्रमों के साथ-साथ बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों की भी संख्या अच्छी-खासी है। बेहतर होता कि सरकार ऐसे अफसरों की संख्या का भी उल्लेख करती जो इन संस्थानों में उच्च पदों पर आसीन हैं और जो अन्य पिछड़े वर्ग के हैं। इससे यह स्पष्ट होता कि इस वर्ग के लोग सार्वजनिक उपक्रमों और बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों में उच्च पदों तक पहुंच भी रहे हैं या नहीं? ऐसा कोई आंकड़ा सामने आना इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि पिछड़ा वर्ग आयोग की यह शिकायत है कि उच्च पदों पर आरक्षित वर्ग के पद भरने में देरी होती है। बेहतर हो कि सरकार इस शिकायत को दूर करे। केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि आरक्षण का लाभ केवल उन्हें ही मिले जो सामाजिक तौर पर पिछड़े हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह देखने में आ रहा है कि जैसे ओबीसी की कुछ सक्षम जातियां या फिर लोग आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं वैसे ही अनुसूचित जातियों-जनजातियों की भी कुछ समर्थ जातियां अथवा उच्च पदों तक पहुंच गए उनके लोग भी आरक्षण से लाभान्वित हो रहे हैं। इस विसंगति के चलते इन वर्गों के पात्र लोग आरक्षण का लाभ पाने से वंचित हैं। हालांकि बीते दिनों सरकार ने ओबीसी आरक्षण के भीतर आरक्षण देने के उद्देश्य से इस तबके की जातियों का वर्गीकरण करने के लिए एक आयोग बनाने का फैसला किया है, लेकिन यह प्रश्न अनुत्तरित ही है कि ऐसा ही आयोग अनुसूचित जातियों और जनजातियों के वर्गीकरण के लिए क्यों नहीं बनाया गया? यह ठीक है कि सरकार ने आरक्षण की एक और विसंगति दूर की, लेकिन उसे यह ध्यान रखना चाहिए कि जो आरक्षण सामाजिक न्याय का माध्यम है वह धीरे-धीरे सरकारी नौकरियां पाने का जरिया बनता जा रहा है। दरअसल इसी कारण आरक्षित वर्ग के बाहर की तमाम जातियां खुद को आरक्षण के दायरे में लाने की मांग कर रही हैं। किसी को नाराज न करने के भय से ऐसी मांगों के प्रति आम तौर पर सभी राजनीतिक दल नरम रवैया ही अपनाते हैं। यह नरम रवैया आरक्षण की नई-नई मांगों को और हवा देता है। यह तब तक होता रहेगा जब तक आरक्षण की सभी खामियों को दूर नहीं किया जाएगा। विडंबना यह है कि जब भी आरक्षण की समीक्षा का सवाल आता है, सभी दल उससे कन्नी काटते ही दिखते हैं।

दिशा तलाशती दलित राजनीति

बीते दिनों पटना में लालू यादव की रैली में विपक्षी नेताओं में जो प्रमुख चेहरा नजर नहीं आया वह बसपा सुप्रीमो मायावती का था। इस रैली में माया की अनुपस्थिति इसलिए उल्लेखनीय रही, क्योंकि एक तो वह विपक्षी एकता की हिमायती रही हैं और दूसरे लालू यादव उन्हें अपने दल की ओर से राज्यसभा में भेजने की बात करते रहे हैं। मायावती का इस रैली में शामिल नहीं होना कहीं न कहीं यह बताता है कि वह अपने बलबूते राजनीति करना चाह रही हैं, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जहां कांशीराम ने अपनी बहुजन राजनीति को भाई-भतीजावाद से दूर रखना चाहा था, वहीं आज बसपा में भाई भतीजावाद दिखाई पड़ने लगा है। मायावती ने बसपा में अपने बाद के नेतृत्व पर संशय को साफ करते हुए अपने भाई एवं भतीजे की जगह दी है। बसपा नेताओं में राजनीतिक महत्वाकांक्षा के साथ चंदे की उगाही में हिस्सेदारी जैसे टकराव बहुजन राजनीति को कमजोर करते जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में बहुजन राजनीति में दलितों की वही जातियां प्रभावी हैं जिनकी संख्या ज्यादा है या फिर जो विभिन्न ऐतिहासिक कारणों से आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति में हैं। दलितों में 50 से ज्यादा छोटी छोटी संख्या वाली दलित बहुजन जातियों का प्रतिनिधित्व उत्तर प्रदेश की बहुजन राजनीति में न के बराबर है। अन्य राज्यों में भी दलित राजनीति बड़े दलों की पिछलग्गू की तरह ही है जिसे कांशीराम ने चमचा संस्कृति कहा था। दलित राजनीति में दलितों की कुछ बड़ी जातियों का प्रभुत्व एवं अनेक छोटी जातियों की नगण्य उपस्थिति दूसरी बड़ी समस्या है।

अपने देश के विभिन्न राज्यों में दलित राजनीति के अलग-अलग रूप दिखाई पड़ते हैं। दलित राजनीति का तात्पर्य दलित गोलबंदी से है। हिंदी क्षेत्रों में बहुजन राजनीति के रूप में दलितों की राजनीति 90 के दशक में मजबूत हुई। उत्तर प्रदेश में तो यह राजनीति मजबूत हुई ही, साथ ही प्रारंभिक दौर में मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार में भी उसका आकर्षण बढ़ा। उत्तर प्रदेश में दलित पार्टी के रूप में शुरू हुई बसपा सही रूप में दलित से बहुजन का आकार लेते हुए सर्वजन के रूप में फैली, किंतु आज उत्तर प्रदेश में बहुजन राजनीति गहरे संकट से गुजर रही है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार जैसे राज्यों में भी इसका शुरूआती आकर्षण आज छीज सा गया है। वैसे तो बसपा देश के अनेक राज्यों में विधानसभा एवं लोकसभा के चुनावों में अपने उम्मीदवार लड़ाती है, लेकिन उसे अभी तक उत्तर प्रदेश को छोड़ अन्य किसी राज्य में महत्वपूर्ण सफलता नहीं मिली। उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त आजादी के बाद केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में दलित अस्मिता की राजनीति मुखर होकर उभरी थी। केरल में दलित गोलबंदी पर कांग्रेस, वामपंथी एवं आरएसएस की राजनीति का गहरा असर है। मध्य जातियों के प्रभाव वाली केरल की राजनीति में दलित राजनीति लगभग वहां की मुख्यधारा में समाहित है। दलितों का एक छोटा धड़ा एक स्वायत्त दलित राजनीति की बात तो करता है, किंतु उनका व्यापक भाग केरल की मुख्यधारा की राजनीति का हिस्सा है। यहां की दलित चेतना के निर्माण में ईसाई मिशनरियों के साथ अंबेडकरवादी एवं वामपंथी राजनीति का गहरा असर दिखाई पड़ता है। अब संघ की राजनीति का असर भी यहां के मछुआरों और अन्य छोटी जातियों पर

दिखाई पड़ने लगा है। तमिलनाडु में दलित राजनीति ब्राह्मण विरोधी आंदोलन की छाया में विकसित हुई। इस आंदोलन में मध्य जातियां ज्यादा प्रभावी होकर उभरीं और इस तरह दलितों के मुद्दे गौण से हो गए। आज तमिलनाडु की दलित राजनीति के समक्ष गहरा संकट आ खड़ा हुआ है। तमिलनाडु एवं अन्य राज्यों के दलित आंदोलनों के समक्ष दूसरी समस्या यह है कि वे किस प्रकार अपने विचार एवं तर्कों को लोकप्रिय आधार दें। आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र एवं पंजाब में दलित आंदोलन के संकट थोड़े भिन्न हैं। पंजाब में भारत के किसी भी राज्य से ज्यादा 31 प्रतिशत के आस-पास दलित हैं। इस 31 प्रतिशत आबादी का बहुलांश रविदासी एवं बाल्मीकि जातियों से है। ये दोनों समुदाय राजनीतिक रूप से एक होने को तैयार नहीं होते। बहुधा इनमें से एक अगर कांग्रेस की तरफ जाता है तो दूसरा अकाली दल की तरफ। कांशीराम ने 90 के दशक में इनके बीच एकता लाने की कोशिश की थी, पर वह भी सफल नही हुए। पंजाब का होने के बावजूद वह बसपा का प्रसार पंजाब में नही कर पाए। पंजाब में आज भी दलित राजनीति की सबसे बड़ी समस्या संख्या एवं आर्थिक तौर पर महत्वपूर्ण दो बड़ी जातियों में एकता न होना है। महाराष्ट्र में आरपीआई एवं दलित पैंथर से निकले हर बड़े नेता ने अपना गुट बना लिया है। रामदास अठावले शिवसेना से होते हुए भाजपा तक पहुंच चुके हैं। प्रकाश अंबेडकर आज भी कांग्रेसी प्रभाव में हैं। महाराष्ट्र में भी दलित दो बड़ी जातियों में विभाजित -महार एवं मातंग हैं। इन जातियों से निकले नेताओं ने अपने-अपने दल बना लिए हैं। जातीय एवं क्षेत्रीय अस्मिताओं के आपसी टकराव यहां की दलित राजनीति के संकट को बढ़ा रहे हैं। यहां दलित आबादी शिवसेना, भाजपा एवं कांग्रेस समर्थक के तौर पर बंटी दिखती है।

आंध्र की दलित राजनीति अंबेडकरवादी राजनीति से प्रभावित होने के साथ ही भाग्य रेड्डी के आदि आंदोलन से प्रभावित रही है, किंतु अब वहां भी दलित राजनीति स्वायत्त रूप से न विकसित होते हुए एक तरह से टीआरएस और टीडीपी के साथ-साथ कांग्रेस एवं भाजपा के बीच सैंडविच बनकर रह गई है। तमाम समानतावादी आदर्शों के बावजूद आंध्र की दलित राजनीति माला एवं मादिगा जैसे दो बड़े दलित समूहों के अंतर्विरोधों का शिकार है। इन दो जातियों की अस्मिता का टकराव यहां की दलित राजनीति को एक नहीं होने दे रहा। मादिगा जाति को सदैव यह शिकायत रही है कि दलित के नाम पर मिलने वाले जनतांत्रिक लाभों का बहुलांश माला जाति के कब्जे में चला जाता है। अन्य छोटी दलित जातियों का प्रतिनिधित्व न होना भी आंध्र प्रदेश की दलित राजनीति का एक बड़ा संकट है। कुल मिलाकर अनेक राज्यों में दलित राजनीति में दो या तीन बड़ी जातियों का जनतांत्रिक लाभों के बंटवारे के लिए हो रहा टकराव दलित राजनीति को कमजोर कर रहा है।

दलित समूहों में आज नेतृत्व केअनेक स्तर उभर आए हैं। व्यक्तिगत राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की टकराहट भी दलित राजनीति को लगातार कमजोर करती जा रही है। अंबेडकरवादी आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने के बावजूद आज की दलित राजनीति मुख्यधारा के राजनीतिक दलों की राजनीतिक संस्कृति की ही शिकार है। महत्वाकांक्षओं की टकराहट, भाई-भतीजावाद, सत्ता प्राप्ति की होड़ उन्हें भीतर से कमजोर करती जा रही है। जिसका प्रतिरोध करना था, उसी से प्रभावित होते जाना दलित राजनीति के संकट को और गहरा कर रहा है।

अपराधियों पर टूटें

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले साल एक कार्यक्रम में राज्य पुलिस को निर्देश दिया था कि वह अपराधियों पर टूट पड़े। इस पर पुलिस अधिकारियों ने उस वक्त जरूर गौर किया होगा यद्यपि मौजूदा आपराधिक घटनाएं देखते हुए मुख्यमंत्री के इस निर्देश की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। राज्य में जिस तरह हत्या, लूट और फिरौती की घटनाएं हो रही हैं, उससे स्पष्ट है कि अपराधियों के हौसले पूरी तरह तोड़े नहीं जा सके हैं। अपराधों की बहुलता राज्य की दशकों पुरानी समस्या है। पिछली सदी के अंतिम दशक में राज्य में कानून व्यवस्था और अपराधों की स्थिति इतनी भयावह हो गई थी कि यहां की शासन व्यवस्था को कोर्ट ने ह्यजंगलराजह्न की संज्ञा दे दी थी। इसके बावजूद ऐसा माहौल वर्ष 2005 में नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग सरकार बनने तक जारी रहा। नीतीश सरकार ने अपराधियों पर सख्ती की और राज्य की कानून व्यवस्था को दुरुस्त किया। 2015 में महागठबंधन सरकार बनने पर अपराध का ग्राफ एक बार फिर बढ़ा था। कई सनसनीखेज वारदातों के बाद मुख्यमंत्री को निर्देश देना पड़ा था कि पुलिस अपराधियों पर टूट पड़े। अपराधों का मौजूदा ग्राफ भयावह तो नहीं, पर राज्य के सामने विकास और पूंजी निवेश को लेकर जिस तरह की चुनौतियां हैं, उन्हें देखते हुए जरूरी है कि अपराध और कानून व्यवस्था के मामले में माहौल बेहतरीन रहे। जब तक अपराध पूरी तरह नियंत्रित नहीं होंगे, बड़े निवेशक बिहार का रुख नहीं करेंगे। राज्य पुलिस में नेतृत्वकारी पदों पर तेज-तर्रार और दृढ़ अधिकारियों की कमी नहीं है। अतीत में इन्हीं अधिकारियों ने अपराधियों का मनोबल तोड़ा था।

वक्त की मांग है कि अपराधियों के खिलाफ एक वृहद कार्ययोजना तैयार करके एक बार फिर वैसा ही अभियान चलाया जाए। शासन का दायित्व है कि अपराधियों के हौसले पस्त करके राज्यवासियों को सुकून से जीने का माहौल पैदा करे। यह तभी संभव है, जब सारे रंगदार और अपराधी या तो जेल में हों या राज्य की सीमा से बाहर। उम्मीद की जानी चाहिए कि मुख्यमंत्री खुद इस जन-अपेक्षा का संज्ञान लेंगे और जल्द ही पुलिस अपराधियों को राज्य से खदेड़ती दिखेगी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई में भारी बारिश से इंश्योरेंस इंडस्ट्री को लगेगा 500 करोड़ का झटका

मुंबई। मुंबई में भारी बारिश के कारण मोटर, हेल्थ और इंडस्ट्रीज से जुड़े इंश्योरेंस बिजनस को 500 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। हालांकि, इंश्योरेंस क्लेम 2005 में मुंबई में आई बाढ़ के मुकाबले कम है। उस वक्त इंडस्ट्री को 3,000 करोड़ रुपये का भुगतान करना पड़ा था। इस बार शहर के लोगों ने भारी बारिश के प्रकोप से बचने में सावधानी बरती और इंश्योरेंस कंपनियों ने बाढ़ के कारण गाड़ियों से जुड़े नुकसान को कम करने के उपायों के बारे में मेसेज भेजे। आईसीआईसीआई लोंबार्ड जनरल इंश्योरेंस में अंडरराइटिंग के हेड संजय दत्ता ने बताया, 'मुंबई की बाढ़ से इंश्योरेंस कंपनियों की कॉस्ट 500 करोड़ रुपये तक बढ़ सकती है। ज्यादातर क्लेम मोटर इंश्योरेंस, हेल्थ और दुकानदारों के इंश्योरेंस से जुड़े हो सकते हैं। इस बार हालात 2005 में मुंबई में आई बाढ़ से बेहतर हैं और लोगों ने अपनी कार को नुकसान से बचाया।' मॉनसून सीजन के दौरान आमतौर पर ब्रेकडाउन, इंजन डैमेज, बारिश के पानी में गाड़ी के डूबने से हुआ अन्य खराबी के कारण क्लेम फाइल किए जाते हैं। इंश्योरेंस कंपनियों का कहना है कि

पानी के कारण खराब इंजन के मरम्मत या इसे बदलने की लागत 75,000 से 5 लाख रुपये के बीच आती है, जबकि हाई ऐंड कारों में यह आंकड़ा 10-15 लाख रुपये हो जाता है। बाढ़ वाले इलाके में कार का ब्रेक डाउन होने की हालत में इंश्योरेंस कंपनियों ने पॉलिसीहोल्डर्स को अलर्ट भेजा था, जिसमें तकनीकी मदद के लिए कॉल करने या कार को नजदीक के गैरेज में भेजने के लिए सूचना देने की बात कही गई थी। चेन्नै में आई बाढ़ के कारण जनरल इंश्योरेंस इंडस्ट्री के पास 3,000 करोड़ रुपये के डैमेज क्लेम आए, जो भारत में बारिश के मौसम के लिहाज से रिकॉर्ड है। बिना झंझट के क्लेम सेटलमेंट के लिए इंश्योरेंस कंपनियों ने सेटलमेंट की प्रक्रिया को आसान बना दिया है। फ्यूचर जेनराली ने एक बयान में कहा, 'कंपनी ने सड़कों पर कारों की मदद के लिए अपनी टीम तैयार करने से लेकर टोइंग फैसिलिटी तक को ऐक्टिव कर दिया है। कंपनी यह भी पक्का कर रही है कि इन सब चीजों के लिए दस्तावेजों की जरूरत कम से कम हो। हमने कहा है कि क्लेम के तेजी से सेटलमेंट के लिए इससे जुड़ी शर्तों को आसान किया जाए।' पिछले 4-5 साल में देश में आपदाओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। चेन्नै से लेकर उत्तराखंड तक में भयंकर बाढ़ के मामले देखने को मिले हैं। चेन्नै में आई बाढ़ से इंश्योरेंस सेक्टर को 5,000 करोड़ तक का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

एनडीए में शामिल होने का इरादा नहीं

हममें से कोई भी मंत्री नहीं बनेगा : शरद पवार

पुणे/बारामती। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि, उनकी पार्टी एनडीए में शामिल नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा है कि एनसीपी का कोई भी नेता केंद्र में मंत्री नहीं बनने वाला है। बता दें कि कुछ दिनों से राजनीतिक गलियारे शरद पवार और उनकी बेटी सांसद सुप्रिया सुले को केंद्र में मंत्री बनाए जाने की चर्चा चल रही थी। सोशल मीडिया में चर्चा चल रही थी कि, पवार को केंद्र में कृषि या डिफेंस मिनिस्टर बनाया जाएगा। पवार ने कहा कि,

हमारी पार्टी का एनडीए में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। सरकार ने अपने कुछ वादे पूरे नहीं किए हैं। किसानों को लिए स्वामिनाथन आयोग की सिफारिशें लागू नहीं की हई। देश के कई राज्यों में किसान एक होकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होने भारत और चीन के विवाद को लेकर कहा कि, डोकलाम से चीन अपनी सेना वापस लेने वाला है यह अच्छी बात है। लेकिन सिर्फ भारत ही अपनी सेना वापस बुलाता है तो चीन डोकलाम में सड़कें बना सकता है। चीन पहले जैसा रहा नहीं, वह अब आर्थिक रुप से ताकतवर और प्रबल शक्ति वाला राष्ट्र बना है। दोनों देशों को डोकलाम को लेकर झगड़ना नुकसानकारक हो सकता है।

पति से मोबाइल पर बात करते बाढ़ के पानी में बही लेडी

दो दिन बाद खाड़ी में मिली लाश

ठाणे। मुंबई और ठाणे में लगातार जोरदार बारिश में अब तक 12 लोगों की मौत हुई है। वहीं कल डॉक्टर की लाश बरामद हुई थी। वहीं दो दिन पहले बाढ़ के पानी से रास्ते निकालते घर जा रही युवती बह गई थी उसकी लाश गुरूवार सुबह खाड़ी में मिली। यह महिला अपने पति से फोन पर बात करते हुए घर जा रही थी, उसका अचानक संपर्क टूट गया था। दो दिन पहले 29 अगस्त को मुंबई और ठाणे में जोरदार बरसात हो रही थी। इसी दिन ठाणे के कोरम मॉल में जॉब कर रही दीपाली बनसोडे (27) अपने घर जा रही थी। सड़कों पर कमर तक पानी भरा था, ऐसे में दिपाली पानी में उतरी और घर

की तरफ बढ़ने लगी। उसका घर थोड़ी ही दूरी पर था। वह पानी में उतरने के बाद पति से मोबाइल पर अपने लोकेशन का पता भी बता रही थी, तभी अचानक पानी के तेज बहाव में वह बह गई। संपर्क टूटने से उसके पति को पता नहीं चला कि दीपाली के साथ क्या हुआ है। वह चिंतित हो गया। पिछले दो दिनों से दीपाली के घर वाले परेशान थे। इस बारे में वर्तक नगर पुलिस थाने में उसकी मिसिंग कंप्लेंट दर्ज कराई गई थी। कलवा विटावा खाड़ी में गुरुवार को एक लेडी की लाश मिली थी। इस बारे दिपाली के घर वालों को जानकारी दी तो उसे देखने पहुंचे तो वह दिपाली ही थी। पुलिस ने दिपाली की लाश को पोस्टमार्ट के लिए सिविल हॉस्पिटल भेजा है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

होटल फाउंटेन और दिल्ली दरबार...

मालूम हो कि फाउंटेन और दिल्ली दरबार होटल अय्याशी के अड्डे के रूप में काफी बदनाम है। होटल मालिक तल्लाह मुखी और आदिल मुखी के संबंध बड़े-बड़े लोगों से है जो उसके होटल में चल रही अय्याशी के ग्राहक हैं। यहां हो रही गुपचुप जिस्मफरोशी और चद्दर बदली के लिए ये होटल मालिक खुद अपने बड़े और नामचीन ग्राहकों से बात करते हैं। इन दोनों का ब्याज का धंधा होने की वजह से कई जरूरत मंद कारोबारी इनके जाल में फंस जाते हैं और फाउंटेन व दिल्ली दरबार होटल की अय्याशी में लिप्त होते रहते हैं। तल्लाह मुखी व आदिल मुखी का स्थायी निवास वैसे तो जोगेश्वरी में है लेकिन ज्यादा समय वे दोनों फाउंटेन और दिल्ली दरबार में दिखते हैं। पिछले दिन ऐसी ही किसी बात पर हाशम शेख से इनकी झड़प हो गयी जो मारपीट पर जाकर खत्म हुई। बाद में हाशम शेख ने काशीमीरा पुलिस स्टेशन में तल्लाह मुखी और आदिल मुखी सहित आठ लोगों के खिलाफ मामला (केस नंबर 0414/17) दर्ज कराया। जिनमें मारपीट, जिस्मफरोशी, आपराधिक गतिविधि की योजना बनाने और अपहरण का मामला प्रमुख है। पुलिस मामले के छानबीन में लगी है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी की खबर नहीं है।

भिंडी बाजार में 5 मंजिला इमारत...

हुसैनी बिल्डिंग के नाम से पहचानी जाने वाली यह इमारत साउथ मुंबई के भिंडी बाजार में थी। हादसा करीब सुबह 8:30 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि इसमें 13 परिवार रह रहे थे। इस इमारत का नाम अशीर्वाला है। यह 117 साल पुरानी है। भिंडी बाजार मुस्लिम आबादी वाला इलाका है। अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम भी इसी इलाके में रहता था। इस इलाके की ज्यादातर बिल्डिंग जर्जर हो चुकी हैं। संकरी गलियां होने के कारण दिन में यहां लंबा ट्रैफिक जाम लगता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस इमारत की पहली या दूसरी मंजिल में कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था। हालांकि, लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ने इसकी पुष्टि नहीं की है। इसके आसपास रहने वालों ने भी बताया कि बिल्डिंग ठीक हालात में थी। देखकर ऐसा नहीं लगता कि वह गिर जाएगी। हालांकि, 2011 में इसे खतरनाक बिल्डिंग की लिस्ट में डालकर बीएमसी ने खाली करने का आदेश दिया गया था। रीकन्सट्रक्शन स्कीम के तहत सैफी बुरहानी अपलिफ्टमेंट ट्रस्ट रेनोवेशन करने वाला था। कुछ फैमिली ने इसी हफ्ते घर छोड़ दिया था। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कापोरेशन (बीएमसी) ने पूरी मुंबई में 625 इमारतों को खतरनाक घोषित कर उन्हें खाली करने का नोटिस दिया हुआ है। मुंबई में 600 से ज्यादा बिल्डिंग हैं, जिन्हें बीएमसी की ओर से खतरनाक घोषित कर तुरंत खाली करने का आदेश दिया गया है। इन इमारतों में रहने वाले लोगों का कहना है कि, बिल्डर बीएमसी के अधिकारियों से साठगांठ कर इस तरह के नोटिस देते हैं। ताकि लोग इमारत खाली कर दें और वे इनकी जगह दूसरे फ्लैट्स बना कर महंगे दामों में बेंच सकें। इसके अलावा लोगों को एक डर यह भी सताता है कि मुंबई जैसे शहर में घर की कीमत करोड़ों में है। अगर यहां घर छोड़ दिया तो वे फिर से दूसरा घर नहीं खरीद सकेंगे। इसलिए ज्यादातर लोग इन घरों को खाली नहीं करते। 26 जुलाई को घाटकोपर में 4 मंजिला इमारत गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें करीब 12 परिवार रहते थे। इसके बेसमेंट में हॉस्पिटल चल रहा था। क्लीनिक पर एक पिलर से छेड़छाड़ करने का आरोप लगा था।

यूपी बीजेपी की कमान...

यूपी बहुत बड़ा राज्य है, इसलिए मेरी पहली प्राथमिकता होगी पार्टी को और मजबूत करना। प्रदेश सरकार के कामों के जरिए पार्टी को और ज्यादा मजबूत करना है। मैंने अपने नेतृत्व को कहा है कि मुझे केंद्र सरकार में मंत्री पद से मुक्त किया जा सके, जिसके बाद फ्री होकर यूपी में पार्टी के लिए काम कर सकूं। पांडेय ने कहा कि 2014 के लोकसभा चुनाव और 2017 के विधानसभा चुनाव में जो बहुमत पार्टी को मिला हैं उसको बरकरार रखना है। उत्तर प्रदेश में भारी बहुमत से सरकार बनाने के बाद बीजेपी आलाकमान की अगली चुनौती प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव था। प्रदेश अध्यक्ष केशव प्रसाद मौर्य को योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल में दिया गया उप-मुख्यमंत्री बनने के बाद से नए प्रदेश अध्यक्ष की तलाश शुरू हो गई थी।

16 नगर निगमों और 7 जिलों में बनाई जाएं गौशाला-CM योगी

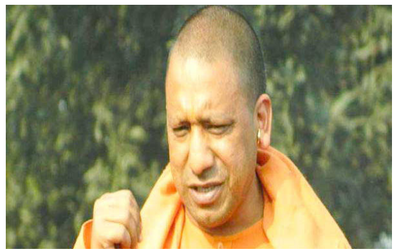

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुंदेलखंड के 7 जिलों तथा 16 नगर निगमों को गोशालाओं की स्थापना किए जाने के निर्देश दिए हैं। योगी ने प्रदेश के नगर निगमों तथा बुन्देलखंड के 7 जिलों में गोवंश के रख-रखाव के लिए कार्य योजना बनाए जाने के सम्बन्ध में शाम बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने गोशालाओं के सुचारु संचालन के लिए जिलाधिकारी के नेतृत्व में समिति गठित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गोशालाओं की स्थापना के लिए जो स्थान चुना जाए, वह सुरक्षित होना चाहिए। इनमें रखे गए गोवंश के लिए चारे-पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन गौशालाओं के सुचारु संचालन की जिम्मेदारी गौ समितियों की होगी। उन्हें अपने संसाधनों से इनका संचालन सुनिश्चित करना होगा। इस कार्य से जनता को भी जोड़ा जाना चाहिए।

योगी ने कहा कि इन केन्द्रों पर गोवंश की सुरक्षा के लिए शेड निर्माण करने के साथ-साथ बाउंड्री निर्माण भी सुनिश्चित करना होगा। इस कार्य में गौ सेवा आयोग पूरी मदद करेगा। इसी प्रकार शहरी क्षेत्रों में भी गोवंश की सुरक्षा के लिए ऐसे गोशालाओं की स्थापना करनी होगी जहां पर छुट्टा पशुओं को सुरक्षित रखा जा सके और उनके चारे-पानी की व्यवस्था हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्य में जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग सुनिश्चित किया जाए। केन्द्र सरकार की विभिन्न नीतियों एवं कार्यक्रमों के तहत मिलने वाले सहयोग को हासिल करना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि दूध के लिए देश गौवंश पर आश्रित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए गौशालाएं बनवाकर ग्राम समितियों को उपलब्ध करानी होंगी ताकि वे स्वतंत्र रूप से इन्हें जन सहयोग से चला सकें। उन्होंने कहा कि गौवंश मानव जाति के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसकी हर हाल में रक्षा करना होगी। बुन्देलखंड की अन्ना प्रथा का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि इसका मूल कारण इस क्षेत्र की गायों द्वारा कम मात्रा में दूध देना है। इस समस्या का समाधान गौवंश के नस्ल सुधार से किया जा सकता है। औषधि के निर्माण में इस्तेमाल के लिए गोमूत्र की काफी मांग है। उन्होंने कहा कि राज्य में गोनाइल के निर्माण के लिए प्रोसेसिंग यूनिट लगाने की सम्भावनाओं को तलाशा जाए।

कर चोरों को नहीं बख्शेगा कर विभाग: जेटली

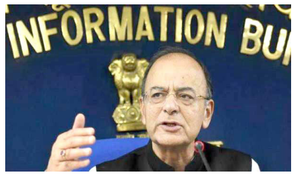

वित्त मंत्री अरुण जेतली ने कहा कि सरकार करदाता के मामले में भय और प्रीति दोनों तरह की नीति अपनाएगी और जी.एस.टी. के बाद कर अधिकारी कर चोरी करने वाले ऐसे चोरों को नहीं छोड़ेंगे जिनके इनवॉयस उनके कर भुगतान से मेल नहीं खाते। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने पिछले दो-तीन साल में कर चोरी को मुश्किल बनाया है जिससे कइयों को कड़ा झटका लगा है और जी.एस.टी. अप्रत्यक्ष कर संग्रह में वृद्धि के अनुरूप प्रत्यक्ष कर आधार के विस्तार में मदद करेगा।

ईमानदारी में ही समझदारी

वैसूचना एवं साफ्टवेयर एवं सेवा कंपनी वोल्टर्स क्लूवेर द्वारा आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में जेटली ने कहा, जी.एस.टी. के मामले में भी अभी स्वैच्छिक अनुपालन हो रहा है। जब बिलों का मिलान होगा, तब पता चलेगा कि स्वैच्छिक अनुपालन उचित है या किस सीमा तक उचित रहा है। उन्होंने कहा, जहां तक कर का सवाल है, एक-दो महीने के अनुभव से करदाताओं को यह दिख जाएगा अब का नारा है-ईमानदारी में ही समझदारी है। जिनके वाउचरों का मिलान नहीं होगा, उन्हीं से सवाल पूछे जाएंगे। 1 जुलाई से लागू जी.एस.टी. के तहत इनपुट क्रेडिट का लाभ का दावा करने के लिए कारोबारियों को इनवॉयस के रूप में सौदे की मात्रा की जानकारी देनी होगी।

सोच में बदलाव जरूरी

जेटली ने चेतावनी देते हुए कहा, आपको अपने दरों को लेकर युक्तिसंगत होने की जरूरत है, जहां तक प्रक्रियाओं का सवाल है, आपको अनुपालन बोझ कम करने की जरूरत है, करदाता और कर अधिकारियों के बीच भौतिक संबंध कम करने के लिए आपको और अधिक प्रौद्योगिकी के उपयोग की जरूरत है। लेकिन साथ ही अगर कोई कानून से बचने की कोशिश करता है, आपको भय भी दिखाना होगा। उन्होंने कहा कि जब अप्रत्यक्ष कर की मात्रा बढ़ती है, उसका प्रत्यक्ष कर आय पर प्रभाव पड़ना तय है। जेटली के अनुसार जी.एस.टी. का प्रभाव केवल अप्रत्यक्ष कर पर नहीं होगा बल्कि प्रत्यक्ष कर की व्यवस्था भी अधिक कुशल होगी। वित्त मंत्री ने कहा कि कर को लेकर जो एक सोच है, उसमें बदलाव की जरूरत है क्योंकि इससे देश कर चोरी के कारण लाखों और करोड़ों रुपए से वंचित होता है।

PAK में ही है अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद परवेज मुशर्रफ ने किया इशारा

भारत के मोस्ट वॉन्टेड अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के पाकिस्तान में ठिकाने को लेकर समय-समय पर भारतीय खुफिया एजेंसियां दावा करती रही हैं। लेकिन अब पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने इस बात पर लगभग मुहर सी लगा दी है।

पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में मुशर्रफ ने दाऊद के कराची में होने की बात एक तरह से मान ली है। दरअसल ओसामा बिन लादेन के पाकिस्तान में मिलने के एक सवाल पर जवाब देते देते मुशर्रफ ने दाऊद के बारे में भी सवाल पर भी से संकेत दिए है। रिपोर्टर ने मुशर्रफ से पूछा कि 'भारत वाले मजाक करते थे कि ओसामा को हमने पाकिस्तान में छिपाया है, लेकिन उनका मजाक सच साबित हुआ। ओसामा पाकिस्तान के पास काकुल एकेडमी में मिला।' इस सवाल का जवाब देते हुए मुशर्रफ ने कहा कि 'मुझे इसमें शक है कि वो वहां 5 साल रहा। वो आता जाता था।' जिस पर रिपोर्टर ने कहा कि लेकिन मारा तो यहीं गया। इसपर मुशर्रफ बोले कि हां, मारा तो गया। इसके बाद रिपोर्टर ने मुशर्रफ से पूछा कि आपसे जब भारत में दाऊद के बारे में पूछा गया तो आपने कहा 'मैं झूठ नहीं बोलता हूं।" इसपर थोड़ा संदेह होता है। पाकिस्तान से जब दाऊद इब्राहिम के बारे में पूछा जाता है तो जवाब मिलता है कि वो कराची या पाकिस्तान में नहीं है। इस सवाल के जवाब में मुशर्रफ ने कहा कि हो सकता है दाऊद यहीं-कहीं कराची में हो, लेकिन हम भारत की मदद क्यों करें। बता दें कि दाऊद 1993 मुंबई धमाकों का मुख्य आरोपी है और इस मामले में भारत को उसकी तलाश है। इंटरव्यू के दौरान मुशर्रफ ने कहा, 'भारत लंबे समय से पाकिस्तान पर आरोप लगा रहा है। हम क्यों अब अच्छे बनकर भारत की मदद करें?' इसके अलावा मुशर्रफ ने कहा, 'मुझे साफ तौर पर नहीं पता कि दाऊद कहां है, लेकिन वह यहीं कहीं होगा।

गणपति बप्पा मोरिया

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मालाड पूर्व के खोत डोंगरी स्तिथ के डी हाइट्स ईमारत क्र.३ व ४ में गणेश प्रतिमा स्थापित कर गणेशोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर मशहूर अभिनेता रुशाद राणा और नरेंद्र मोदी विचार मंच के उन्नाव जिलाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी सहित मंडल पदाधिकारी जिगर पटेल, आशीष दरजी, अखिलेश प्रजापति, हार्दिक वारा, राजू मांजरेकर चेतन परमार, समीर शेख व दीपक गोहिल चित्र में नजर आ रहे है।

हरियाणा पुलिस ने खोला लाल बैग का राज

राम रहीम को भगाने का था फुलप्रूफ प्लान

साध्वियों से यौन शोषण मामले में 20 साल की सजा काट रहे बलात्कारी राम रहीम को लेकर एक खुलासा हुआ है। राम रहीम 25 अगस्त को अपने साथ लाल रंग का बैग लेकर गए, हरियाणा पुलिस ने उसके राज का खुलासा किया है। दरअसल 25 अगस्त को राम रहीम को दोषी करार होने के बाद वहां से फरार करने और उनके एक इशारे पर वहां हिंसा करने का प्लान था लेकिन हरियाणा पुलिस की सतर्कता ने कोशिश को नाकाम कर दिया था।

हरियाणा पुलिस ने खोला लाल बैग का राज

पुलिस महानिरीक्षक केके राव ने कहा कि जैसे ही राम रहीम को दोषी करार दिया गया तो कोर्ट से बाहर आकर उसने अपने साथ लाए लाल बैग की मांग की। जिसके बाद राम रहीम के साथ आई उनकी मुंह बोली बेटी हनीप्रीत ने गाड़ी से बैग बाहर निकाला तो करीब दो-किलोमीटर दूर से आंसू गैस के गोले दागे जाने की आवाजें सुनाई देने लगीं। यह उनकी ओर से अपने लोगों को एक इशारा था कि वे उसके समर्थकों में उसे दोषी ठहराए जाने की खबर फैला दें ताकि वे उपद्रव पैदा कर सकें और राम रहीम वहां से फरार हो सके।

तो इसलिए कोर्ट रुम के बाहर खड़े थे राम रहीम

राव ने कहा कि उन्हें बात समझ आ गई कि इस इशारे के पीछे कोई मतलब है। उनका शक तब गहरा हो गया जब काफी देर तक बाबा कोर्ट के बाहर अपनी बेटी के साथ खड़े होकर टाइम वेस्ट कर रहे थे ताकि सभी समर्थकों को घटना की जानकारी हो जाए। पुलिस कर्मियों ने राम रहीम को जबरदस्ती चलने के लिए कहा था लेकिन वो हिचकिचा रहे थे। राम रहीम के सिग्नल को समझते हुए राव ने पूरी प्लानिंग और रूट चेंज कर दिया।

राम रहीम के कामांडो और पुलिस में हुई थी हाथापाई

पहले प्लानिंग थी कि राम रहीम अपनी गाड़ी में ही जेल जाएंगे उनके साथ कुछ

कमांडो होंगे लेकिन उनकी मंशा को भांपते हुए राम रहीम को कोर्ट रूम से बाहर निकालकर डीसीपी सुमित कुमार की गाड़ी में बैठा दिया। राम रहीम को हेलीकाप्टर तक छोड़ने के लिए जिन पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी उनको छोड़कर आईजी ने दूसरे कामांडो को साथ ले लिया था। जिसमें आईआरबी भौंडसी के रिजर्व पुलिस फोर्स और गुरुग्राम पुलिस की क्राइम राम रहीम के आगे पीछे हो गई। कमांडो सुमित कुमार की गाड़ी पर लटक गए थे। जिसके बाद राम रहीम के कामांडो और पुलिस में हाथापाई भी हुई।

राम रहीम को ऐसे हेलीकाप्टर तक पहुंचाया गया था

सुमित कुमार की गाड़ी को खुद केके राव पायलट कर रहे थे। राम रहीम की गाड़ी के पीछे 2 और गाड़ी जिसमें गुरुग्राम पुलिस की क्राइम टीम लग गई और दूसरी में आईआरबी रिजर्व फोर्स लग गई थी ताकि किसी को पता न लगे कि बाबा इस गाड़ी में है टोटल चार गाड़ी राम रहीम के साथ कोर्ट रूम से आर्मी कैंप तक गई।

नाबालिग पत्नी को यौन उत्पीड़न की शिकायत करने का मौका मिले या नहीं?

नाबालिग पत्नी को यौन उत्पीड़न की शिकायत करने का मौका मिले या नहीं? सुप्रीम कोर्ट ने आज पूरा दिन इस पर विचार किया। कोर्ट में दायर याचिका में 15 साल से ज्यादा उम्र की शादीशुदा लड़की से पति के यौन संबंध को बलात्कार न माने जाने पर सवाल उठाया गया है। याचिका के मुताबिक कानूनन यौन संबंध के लिए सहमति की उम्र 18 है। इस वजह से 18 से कम की लड़की के साथ उसकी मर्जी से बने संबंध को भी बलात्कार माना जाता है। लेकिन 15 साल से ज्यादा की विवाहित लड़की के साथ उसके पति का संबंध बनाना बलात्कार नहीं माना जाता। याचिकाकर्ता एनजीओ इंडिपेंडेंट थॉट ने ये भी कहा है कि बच्चों के यौन शोषण के खिलाफ बने पॉक्सो कानून में शादी की वजह से छूट का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इसके बावजूद IPC की धारा 375 यानी बलात्कार की परिभाषा में शादी को अपवाद माने जाने के चलते शिकायत कर पाना मुश्किल है। याचिकाकर्ता ने इन बातों का जवाब देते हुए कहा कि उसका मकसद पारिवारिक ढांचे को नुकसान पहुंचाना नहीं है। वो ये समझता है कि अगर किसी को भी शिकायत की छूट दे दी जाए तो इससे समाज में खलबली मच जाएगी। लेकिन कम से कम लड़की को तो शिकायत का मौका मिलना ही चाहिए। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि IPC की धारा 375 में जहां नाबालिग पत्नी से संबंध को अपवाद माना गया है, उसकी कोर्ट नए सिरे से व्याख्या कर दे। ये कह दे कि अगर लड़की चाहे तो मुकदमा दर्ज करा सकती है। साथ ही ये भी साफ करे कि पॉक्सो के तहत भी मामला दर्ज कराया जा सकता है। गौरतलब है केंद्र सरकार ने पिछली सुनवाई में इस याचिका का विरोध किया था। सरकार का कहना था कि भारत की सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए ही कानून बनाया गया है। बाल विवाह अब काफी कम हो गए हैं। फिर भी समाज के कुछ हिस्सों में बाल विवाह का चलन है। इसलिए, संसद ने काफी सोच विचार कर 15 से 18 साल की पत्नी के साथ यौन संबंध को अपराध के दायरे से बाहर रखा है। इस पर कोर्ट ने वाइल्ड मैरिज प्रिवेंशन एक्ट के तहत हो रही कार्रवाई का ब्यौरा मांग लिया था। कोर्ट ने पूछा था कि बाल विवाह रोकने के लिए हर जिले में कितने अधिकारी नियुक्त किए गए हैं? इस एक्ट के तहत कितने मुकदमे दर्ज किए गए? कितने लोगों को सजा हुई?

आज केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हलफनामा दायर कर बताया कि देश में पिछले साल बाल विवाह के 326 मामले दर्ज हुए। इनमें 740 लोग गिरफ्तार किए गए। कुल 10 मामलों में दोष साबित हुआ और 35 लोगो को सजा मिली। सबसे ज्यादा 55 मामले तमिलनाडु में दर्ज हुए। दूसरे नंबर पर कर्नाटक रहा, जहां 55 मामले दर्ज हुए। आज कुछ और संगठनों ने भी दलीलें रखीं। उन्होंने सुझाव दिया कि फिलहाल बाल विवाह वॉइडेबल है, यानी अगर लड़का या लड़की शादी के खिलाफ अर्जी दे तो शादी को रद्द कर दिया जाता है। इसकी बजाय बाल विवाह को वॉइड कर देना चाहिए। यानी, कोई शिकायत करे या न करे, शादी को कानूनी रूप से अवैध माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई मंगलवार, 5 सितंबर को होगी।

सुनंदा पुष्कर मौत की जांच में देरी से कोर्ट नाखुश

दिल्ली हाईकोर्ट ने साल 2014 में कांग्रेस सांसद शशि थरूर की पत्नी सुनंदा पुष्कर की मौत के मामले की जांच में देरी पर नाखुशी जाहिर की है। साथ ही कोर्ट ने अब तक हुई जांच की स्थिति के बारे में जानकारी मांगी। न्यायमूर्ति जी एस सिस्तानी और न्यायमूर्ति चंद्रशेखर की पीठ ने इस तथ्य का जिक्र कि यह मामला जनवरी 2014 का है। उसने कहा कि साढ़े तीन साल से अधिक समय बीत चुका है और अब तक कुछ भी ठोस निकलकर सामने नहीं आया है। बता दें कि सुनंदा 17 जनवरी 2014 की रात दक्षिण दिल्ली स्थित एक पांच सितारा होटल के कमरे में रहस्यमयी परिस्थितियों में मृत मिली थीं।

एएसजी ने जांच के अंतिम चरण में होने का दावा किया– अदालत ने यह टिप्पणी तब की, जब अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) संजय जैन ने कहा है कि इस मामले में जांच बहुत तेजी के साथ ही जा रही है। एएसजी ने यह भी कहा है कि जांच अब अंतिम चरण में है और जल्द ही अंतिम निष्कर्ष पर पहुंच जाएगी। उन्होंने दावा किया है कि इस चरण पर अगर जांच का काम किसी अन्य एजेंसी के हवाले किया गया तो उससे जारी जांच में केवल देरी होगी। पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे कानून अधिकारी ने पीठ को बताया कि है वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अदालत में मौजूद हैं और संपूर्ण केस डायरी उनके पास है ताकि उसे पढ़ा जा सके। इस पर पीठ ने कहा कि जांच को देखना या निगरानी करना उचित नहीं होगा, लेकिन वह निश्चित तौर पर जानना चाहेगी कि जांच आज किस स्तर पर है। पीठ ने कहा, हम जानना चाहते हैं कि अभी तक क्या हुआ है। लगभग तीन साल बीत चुके हैं लेकिन आज तक कुछ भी ठोस निकलकर सामने नहीं आया।

जांच में ज्यादा समय लगने के चिंतित है कोर्ट– अदालत का कहना है, निश्चित तौर पर यह (जांच) अनंत नहीं हो सकती। उसने साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि जांच पर नजर रखना न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र में नहीं है और कोर्ट का इस संबंध में कोई निर्देश देने का इरादा नहीं है। पीठ ने कहा, हम जांच का निष्कर्ष निकालने में इतना अधिक समय लिए जाने को लेकर चिंतित हैं और इसलिए, हम देरी होने को लेकर चिंतित हैं।

सुब्रमण्यन स्वामी ने की थी एसआईटी जांच की मांग – आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सुनंदा की मौत के मामले में अदालत की निगरानी में सीबीआई नीत एसआईटी जांच की मांग को लेकर याचिका बीजेपी सांसद सुब्रमण्यन स्वामी ने की थी। स्वामी ने कहा है कि विभिन्न रिपोर्टों में संकेत दिया गया है कि सुनंदा की मौत स्वाभाविक नहीं थी, लेकिन वैज्ञानिक रिपोर्ट हासिल करने में देरी जांच से छेड़छाड़ का प्रयास है। स्वामी ने सुनंदा की मौत को किसी आईपीएल विवाद से जोड़ने की कोशिश की और अदालत से जांच की मांग की। इस बीच, थरूर के सौतेले बेटे शिव मेनन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास पाहवा ने अदालत में कहा है कि वह पुलिस की ओर से एएसजी के रुख की सराहना करते है। पाहवा ने अदालत से कहा कि उसे जांच में हुई प्रगति का पता लगाने के लिए केस डायरी को देखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मेनन को स्वामी की याचिका और इस संबंध में अन्य दस्तावेजों की प्रति हासिल करने का अधिकार है क्योंकि वह सुनंदा के बेटे हैं। पीठ पाहवा के तर्क से सहमत हुई और स्वामी के साथ याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता इश्करन सिंह भंडारी को निर्देश दिया कि वह उन्हें प्रतियां उपलब्ध कराएं।

पीठ ने एएसजी को जांच रिपोर्ट के लिए दिया दो हफ्ते का वक्त – एएसजी ने कहा कि यदि कोई विलंब हुआ है, तो वह व्यक्तिगत स्तर पर नहीं, बल्कि वैज्ञानिक रिपोर्ट मिलने में देरी की वजह से हुआ है। उन्होंने यह भी कहा है कि पुलिस अधिकारियों को चैंबर में सुनवाई के लिए समय दिया जाए ताकि वे अदालत को मामले की पेचीदगियों के बारे में जानकारी दे सकें, क्योंकि वह खुली अदालत में इस पर चर्चा नहीं करना चाहते। पीठ ने एएसजी से कहा कि वह सुनंदा की मौत के मामले में दो हफ्ते बाद जांच की स्थिति के बारे में अवगत कराए। पीठ ने कहा, यदि दो सप्ताह बाद जांच के घटनाक्रम पर आपके पास भिन्न रिपोर्ट हो तो ठीक है, नहीं तो हम इसे देखेंगे। इसमें जाने से पहले हम दो हफ्ते का इंतजार करेंगे और देखेंगे कि आप किस वीज के साथ आए हैं। अदालत ने मामले की आगे की सुनवाई के लिए 21 सितंबर की तारीख तय की।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 8 महीने में 1200 से ज्यादा बच्चों की मौत

गोरखपुर। यहां के बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज (बीआरडी) में गुरुवार को 13 और मासूमों की मौत हुई। इस तरह 8 महीने में मरने वाले बच्चों की तादाद बढ़कर 1269 हो गई है। पिछले दिनों करीब 5 दिन में 60 बच्चों की मौत सामने आने के बाद विपक्ष ने योगी सरकार पर कई सवाल उठाए थे। कांग्रेस समेत विपक्ष ने कहा था कि मौत ऑक्सीजन की कमी की वजह से नहीं बल्कि सरकार के मिस मैनेजमेंट से हुई। नरेंद्र मोदी को योगी आदित्यनाथ से बात करनी पड़ी थी। बीआरडी के डॉक्टर्स के मुताबिक, सबसे ज्यादा मौतें इन्सेफ्लाइटिस की वजह से होती हैं। इसके अलावा डायरिया, पीलिया और न्यूमोनिया से भी कई बच्चे पीड़ित होते हैं। वहीं, कुछ बच्चे फेफड़ों की बीमारी से भी मारे जाते हैं।

एक बेड पर तीन-तीन मरीज : बीआरडी मेडिकल कॉलेज में मरीजों की तादाद बढ़ने से स्थिति गंभीर बनी हुई है। वार्ड में 150 बेड पर 345 मरीज भर्ती हैं। एक बेड पर तीन-तीन मरीजों को रखना पड़ रहा है। मरीजों की बढ़ती तादाद को देखते हुए बेड के साथ डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल पीके सिंह के मुताबिक, इस समस्या की जानकारी यूपी के योगी आदित्यनाथ को भी दे दी गई है।

क्या है गोरखपुर ट्रेजडी?

बाबा राघव दास (बीआरडी) मेडिकल कॉलेज में 7 अगस्त से लेकर 12 अगस्त तक 60 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई थी। आरोप है कि ये मौतें हॉस्पिटल में ऑक्सीजन की सप्लाई बंद होने की वजह से हुईं। बच्चों की मौत का मामला सामने आने के बाद बीआरडी कॉलेज के प्रिंसिपल राजीव मिश्रा को 12 अगस्त को सस्पेंड कर दिया। इसके बाद उन्होंने कहा कि मैंने अपनी जिम्मेदारी मानते हुए सस्पेंशन से पहले ही इस्तीफा सौंप दिया था। इसके बाद 13 अगस्त को योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल कॉलेज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बंद कमरे में यहां के स्टाफ की क्लास लगाई। विजिट के बाद सीएम योगी ने कहा कि बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ हर मुमकिन कदम उठाया जाएगा। इसी दिन हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट और वाइस प्रिंसिपल डॉक्टर कफील खान को पद से हटा दिया गया। उनकी जगह डॉ. भूपेंद्र शर्मा को अप्वाइंट किया गया।

मामले में 9 लोगों को बनाया गया आरोपी

बीआरडी मेडिकल कॉलेज में हुई बच्चों की मौत के मामले में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में चार सदस्यीय टीम गठित की गई थी। उनकी रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल राजीव मिश्र, उनकी पत्नी और इंसेफलाइटिस वार्ड के इंचार्ज डॉ. कफील खान समेत 9 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ। 29 अगस्त को मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल राजीव मिश्र और उनकी पत्नी पूर्णिमा शुक्ला को पुलिस ने कानपुर से अरेस्ट कर लिया। इसके बाद गुरुवार को उनकी एसीबी की कोर्ट नंबर 8 में पेशी हुई, जहां से दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

गोरखपुर, फरूर्खाबाद के बाद अब बहराइच जिला अस्पताल में तीन मासूमों की मौत

बहराइच। बुधवार को बुखार व बर्थएसफिक्सिया से जिला अस्पताल में उपचार के दौरान तीन मासूमों की मौत हो गई। 35 और बाल रोगियों को भर्ती कराया गया। इनमें 15 की हालत गंभीर है। इन्हें आईसीयू वार्ड में शिफ्ट किया गया है। तराई में मौसम की चल रही लुकाछिपी के बीच संक्रामक बीमारियों का कहर जारी है। बीमारियों की चपेट में आकर आए दिन नवजातों की सांसे टूट रही हैं। फखरपुर थाना क्षेत्र के बरगोढ़िहा निवासी मुजीब की पत्नी को प्रसव के लिए जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल में महिला ने नवजात बच्चे को जन्म दिया। थोड़ी देर बाद बच्चे को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। गंभीर हालत में उसे पीडियाट्रिक आईसीयू वार्ड में भर्ती किया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

इसी प्रकार श्रावस्ती जिले के सोनवा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर निवासी अहमद रजा (छह माह) पुत्र यार मुहम्मद को बुखार की शिकायत पर जिला अस्पताल लाया गया था। उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। पयागपुर निवासी इकरा (छह माह) पुत्र वाजिद अली की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। जिला अस्पताल में उपचार के लिए 35 अन्य बाल रोगियों में सुबीना (12), रहमान (2 माह), इशिका (11 माह), मुइंया (डेढ़ साल), आयान (3 माह), नीतिश (25 दिन), सिराज (2 साल), अमन (डेढ़ साल) समेत 15 बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें पीडियट्रिक आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है। दिमागी बुखार व बर्थएसफिक्सिया से हो रही ताबड़तोड़ मौतों के बाद भी स्वास्थ्य महकमा चेतने को तैयार नहीं है। महकमे के अधिकारी चाक-चौबंद व्यवस्था का दावा तो करते हैं, लेकिन आए दिन अस्पतालों में हो रही मासूमों की मौत उनके दावे की पोल खोल रही हैं।

गया रोड रेज: आदित्य की हत्या में रॉकी यादव दोषी करार, छह सितंबर को होगी सजा

पटना। गया रोडरेज केस में आदित्य सचदेवा की हत्या के मामले में रॉकी यादव दोषी पाया गया है। चर्चित आदित्य सचदेवा हत्याकांड मामले में गया सिविल कोर्ट के एडीजी-1 के न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया है। इस मामले में रॉकी सहित सभी दोषियों को छह सितंबर 2017 को सजा सुनाई जाएगी। अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश सच्चिदानंद प्रसाद सिंह की अदालत ने मुख्य अभियुक्त रॉकी यादव को आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत दोषी ठहराया है। वहीं उसके चचेरे भाई टेनी यादव और बॉडीगार्ड को भी आईपीसी की धारा 302 के तहत दोषी करार दिया है। अदालत ने रॉकी के पिता बिंदी यादव धारा 212 के तहत यानि आरोपी को शरण देने का दोषी ठहराया है। आरोपी रॉकी ने कोर्ट में सुनवाई से पहले परिसर में बने मंदिर के पुजारी को रुपये दिए चढ़ाने के लिए। रॉकी पर आरोप है कि 12वीं के छात्र आदित्य सचदेवा की गोली मारकर हत्या सिर्फ इसलिए कर दी, क्योंकि उसने रॉकी की कार को ओवरटेक किया था। पिछले साल 7 मई को रॉकी यादव ने आदित्य की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि 11 सितंबर से पहले इस मामले में फैसला आना चाहिए। सभी आरोपियों को आज कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया गया है। रॉकी की पेशी से पहले गया कोर्ट परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी रॉकी यादव दबंग एमएलसी मनोरमा देवी का पुत्र है।15 महीने, 23 दिन में आदित्य हत्याकांड की सुनवाई पूरी हो गई थी और आज इस हत्याकांड पर कोर्ट का ने चारों आरोपियों को दोषी करार दिया है।

फेसबुक पर हुआ प्यार, मंदिर में रचाई शादी, थाने में हुआ इश्क का अंजाम

पटना। फेसबुक पर चैटिंग करते-करते एक लड़के को लड़की से प्यार हुआ, बात करने के बाद प्यार परवान चढ़ा, फिर घर से भागकर दोनों ने मंदिर में शादी कर ली। लेकिन शादी के बाद दोनों ने जी भरकर एक दूसरे को देखा भी नहीं था कि प्यार की दुश्मन बनकर पुलिस आई और दोनों को थाने ले गई। कटिहार नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को हाईवोल्टेज ड्रामा हुआ, जब एक लड़के को कुछ लोग पकड़ कर लाए और उसपर लड़की को भगाने का आरोप लगाया। लेकिन जब लड़का और लड़की की गवाही हुई तो पूरा मामला सामने आया। थाना प्रभारी निर्मल यादवेन्दु के मुताबिक युवक और युवती की मुलाकात फेसबुक पर हुई थी। दोनों आपस में बातचीत करने लगे और प्यार हो गया। दोनों ने घर से भागकर शादी कर ली। लड़की के परिजनों ने लड़के पर उनकी बेटी को भगाने की प्राथमिकी दर्ज करा दी थी।

क्या है मामला

समस्तीपुर जिले के मालती

इलाके की रहने वाली बबली (काल्पनिक नाम) को फेसबुक पर चैटिंग करते-करते एक युवक से इश्क हो गया। बेपनाह इश्क जब परवान चढ़ गया तो दोनों ने शादी करने का फैसला लिया। लेकिन लड़का बेगूसराय का था और लड़की समस्तीपुर की। लिहाजा दोनों ने फैसला लिया कि रात के अंधेरे में अपने-अपने घर से स्टेशन पहुंचेंगे और जो पहली ट्रेन मिलेगी उससे निकल भाग चलेंगे। दोनों कटिहार पहुंचकर एक मंदिर में भगवान को साक्षी मानकर शादी कर ली। लेकिन यह शादी लड़की के घरवालों को नागवार गुजरा। स्थानीय थाना में लिखित सूचना देने के बाद लड़की को खोजते-खोजते कटिहार पहुंचे। यहां पर सड़क पर घूम रहे दोनों को पकड़ लिया। युवक को पकड़ कर जमकर धुनाई की फिर थाने लेकर आ गयी। नगर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर निर्मल कुमार यादवेन्दु ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही हैं। दोनों बालिग है।

स्थानीय अदालत में बयान दर्ज कर दोनों के परिजनों को इन्हें सौंप दिया जाएगा। वहीं, लड़की लड़के के साथ रहने की बात कही है। लड़के के घरवाले भी दोनों को साथ रहने के लिए राजी हैं।

इस अदभुत कुएं में जमीन के अंदर से निकलती है रोशनी

देश-विदेश में घूमने के लिए बहुत सी अजीबो-गरीब और रहस्यमयी है। इन्हीं में से एक जगह पुर्तगाल के सिन्तारा में स्थित है। इस जगह पर घूमने के लिए लाखों टूरिस्ट आते है। दरअसल लोग यहां पर घूमने के लिए नहीं बल्कि यहां पर बने जादुई कुएं को देखने के लिए आते है। इस कुएं में जमीन के अंदर से रोशनी बाहर की तरफ आती है। कुएं की गहराई बहुत ज्यादा होने के कारण अभी तक इस बात का पता अभी तक विज्ञान भी नहीं लगा सका।

लेडीरिनथिक ग्रोटा नाम के इस कुएं की गहराई कम से कम चार मंजिला इमारत के बराबर है। कुएं के नीचे का जाते समय यह ओर भी संकरा होता जाता है। लोगों ने इस कुएं में निकलने वाली रोशनी के कारण इसे विशिंग वेल मान लिया है। लोग इस जगह पर आकर अपनी मन्नत पूरी होने के लिए विश मांगते है। यहां पर आने वाले पर्यटक ज्यादातर यहां से निकलने वाली रोशनी को देखने के लिए आते है। किसी भी प्रकार की व्यवस्था न होने के कारण भी यह रोशनी रात के अंधेरे में भी निकलती रहती है।

इस कुएं को द् इनवर्टेड टॉवर, सिंट्रा भी कहा जाता है। इसकुएं के पास ही एक छोटा सा कुआं और भी है। दोनों कुएं आपस में सुंरगों की तरह जुड़े हुए है। इस कुएं के नीचे जाने पर आपको उपर देखने पर गुफा के अंदर होने का अहसास होता है। इस कुएं में पानी न होने के कारण ज्यादातर टुरिस्ट नीचे तक घूम के आते है। हालाकिं की इस कुआ पानी के पास नदी है लेकिन फिर भी इसके अंदर पानी नहीं है। यहां की जादुई रोशनी देखने के लिए हर साल लोखों की संख्या में टूरिस्ट आते है।

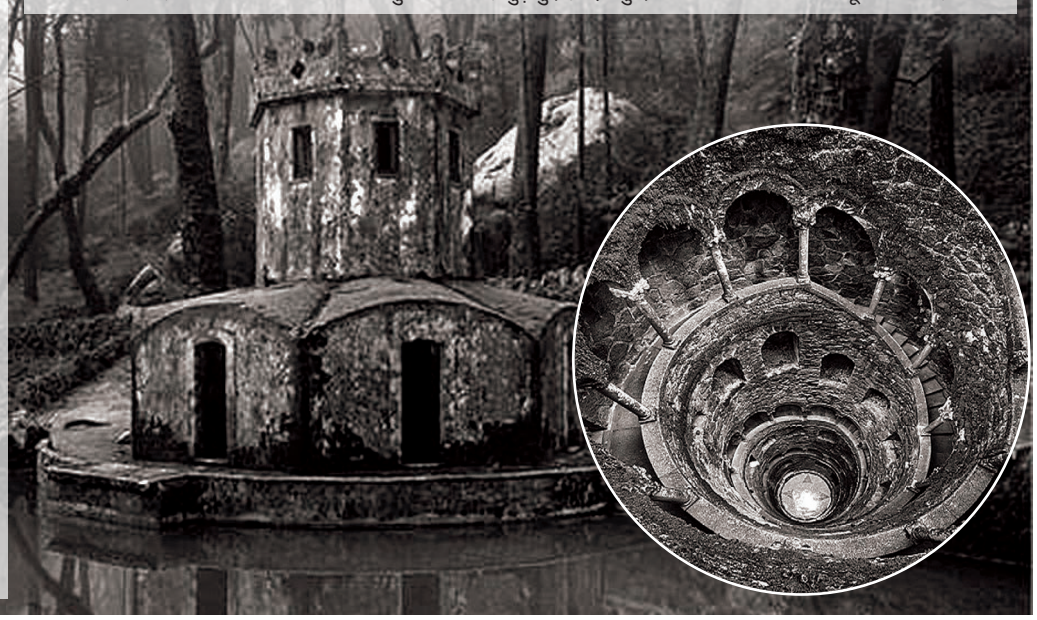

बच्चे को यूरिन से आने लगा था खून

डॉक्टर को दिखाया तो हुआ ये खुलासा

चीन के झेजियांग प्रांत में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। दरअसल, यहां के वानजाउ में एक 11 साल का लड़का यूरीन से लगातार खून निकलने और दर्द की समस्या लेकर हॉस्पिटल पहुंचा। लेकिन, डॉक्टर ने जो खुलासा किया वो काफी शॉकिंग था। क्या कहना था डॉक्टर का...

टीनेचर के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। डॉक्टर वांग योंगबियाओ (Wang Yongbiao) के मुताबिक, जब उस लड़के को हॉस्पिटल लाया गया तो उसकी हालत काफी खराब थी। लड़के का कहना था कि कई दिनों से उसके यूरिन से खून आ रहे हैं और प्राइवेट पार्ट में काफी दर्द भी हो रहा था।

डॉक्टर ने उसके प्राइवेट पार्ट का स्कैन, एक्स-रे और कई सारे टेस्ट किए। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि उसके प्राइवेट पार्ट में 26 मैगनेट बॉल मौजूद हैं, जिसके कारण उसकी ऐसी हालत हो रही है। वांग का कहना था, 'पहले हमने उस बॉल को चिमटी से निकालने की कोशिश की, लेकिन साथ जुड़े होने के कारण संभव नहीं हो सका। इसके बाद हमने तुरंत उस लड़के का सर्जरी करने का फैसला किया।' करीब दो घंटे तक सर्जरी करने के बाद डॉक्टर्स की एक टीम ने उस लड़के के यूरिनरी ब्लैडर से 26 मैगनेट बॉल निकाले। डॉक्टर वांग ने बताया कि एक बॉल की साइज तीन मिलीमीटर थी, जो दो भागों में बंटी थी, जिसके कारण उसकी कुल साइज 6 मिलीमीटर (0.24 सेंटीमीटर) थी। वांग ने बताया बॉल की साइज छोटी होने के कारण बच्चे इसे आसानी से निगल जाते हैं और इस तरह की समस्या उत्पन्न हो जाती है। वहीं, सर्जरी के बाद लड़का पूरी तरह से ठीक है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
तनाव का असर कामकाज पर पड़ेगा। किसी बड़े नुकसान की आशंका रह सकती है। मानसिक परेशानी सेहत बिगाड़ सकती है। आमदनी में कमी।

वृष
अतिथियों का आवागमन रहेगा। परिवार में मान सम्मान बना रहेगा। बच्चों के साथ समय बिताएंगे। सारा दिन मौज मस्ती एवं हंसी खुशी बीतेगा।

मिथुन
अपनी योग्यता साबित कर पाएंगे। नवीन वस्त्रों की खरीद हो सकती है। धार्मिक आयोजन करवा सकते हैं। नई योजनाएं सफल। रुके कार्य पूर्णता की ओर।

कर्क
परिवार के सदस्यों को खुशियां मिलेंगी। परिवार से सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। भविष्य की योजनाएं बन सकती हैं। धार्मिक कार्य संपन्न।

सिंह
नौकरी पेशा वर्ग को तरक्की के अवसर आ सकते हैं। आय व्यय सामान्य रहेगा। मानसिक भटकाव से बचें। परिवार में आपकी सलाह उपयोगी रहेगी।

कन्या
आपको मनोवांछित फल मिल सकता है। परिवार में कुशल मंगल बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक प्रगाढ़ता। कामकाज में उत्साह।

तुला
नौकरी पेशा वर्ग में खुशी का समाचार मिल सकता है। अच्छी सेहत का साथ मिलेगा। आय बढ़ने के पूर्ण आसार। सामने आए कार्यों को सहजता से पूर्ण करेंगे।

वृश्चिक
कारोबार और कॅरियर के लिहाज से समय अच्छा है। यात्राएं उपयोगी एवं सुखद रहेगी। मानसिक तनाव में कमी। सामाजिक कार्यों में व्यस्तता।

धनु
आपकी योग्यता एवं क्षमताओं की तारीफ होगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा। सोच विचार में सकारात्मकता रहेगी। परिवार में आपस में प्रगाढ़ता रहेगी।

मकर
परिवार में परिजनों के साथ समय गुजारेंगे। आजीविका के नए स्त्रोत बनेंगे। लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। उलज्नों से मुक्त हो जाएंगे।

कुंभ
आर्थिक स्थिति में व्यापक सुधार के आसार। आपको मनोवांछित सफलता मिल सकती है। कारोबार या कॅरियर में बदलाव हो सकता है। शुभ समाचार।

मीन
परिवार में उथल पुथल रह सकती है। प्यार मोह ब्त के लिए समय अनुकूल नहीं है। व्यर्थ विवादों से दूर रहें। इस समय वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं।

दुनिया की नजरों से छिपी हुई एक और दुनिया

— रह गई थी लोगों से अनजानी —

1991 में एक वियतनामी किसान ने फोन हा-के बैग नेशनल पार्क में मौजूद ऐसी गुफा की खोज की थी, जिसे तब तक किसी ने नहीं देखा था। आज इस गुफा को हंग सों डूंग नाम से जाना जाता है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी गुफा भी कहते हैं। एक बार ढूंढा, फिर भूल गया रास्ता...

कहते हैं कि इस शख्स का नाम हो खांह था। खाने और टिम्बर की तलाश में हो नेशनल पार्क में कई हफ्तों से भटक रहा था। अचानक उसने पार्क में एक गुफा देखी और उसके अंदर चला गया। जैसे ही वो अंदर पहुंचा, उसे नदी की आवाज सुनाई दी। यहां तक की उसे गुफा में तेज हवा चलने की आवाज भी आ रही थी। वो डर गया और वहां से वापस लौट गया। इसके बाद वो उस गुफा वाली बात और उस जगह को भी भूल गया। इस घटना के कुछ दिनों बाद ब्रिटिश केव रिसर्च एसोसिएशन के होवार्ड और डेब लिम्बर्ट नेशनल पार्क में रिसर्च करने

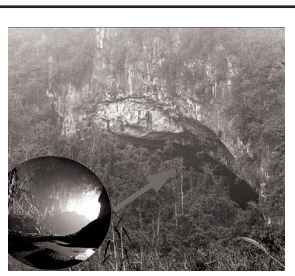

आए। इसी दौरान उनकी मुलाकात हो खांह से हुई। उसने उन्हें ऐसे गुफा के बारे में बताया, जिसके अंदर बादल और नदी भी थे। काफी समय तक कोशिश के बाद भी तीनों को उस गुफा का रास्ता नहीं मिला। लेकिन 2008 में हो खांह ने दुबारा इस गुफा की खोज की और इस बार उसके रास्ते को याद भी कर लिया। इसके बाद उसने होवार्ड और डेब लिम्बर्ट को इसकी जानकारी दे दी। इस गुफा के अंदर जाने के लिए आपको जमीन से 262 किलोमीटर नीचे जाना होगा। हंग सों डूंग नाम की ये गुफा 5 किलोमीटर लंबी है। ये इतना बड़ा है कि इसके अंदर अपनी नदी, जंगल और यहां तक की अपना अलग मौसम भी है। गुफा के अंदर चमगादड़, चिडियां, बंदर और भी कई जानवर रहते हैं। गुफा की खूबसूरती शब्दों में बयान नहीं की जा सकती।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मोटापे का कारण बनती हैं सुबह की गई ये गलतियां

मोटापा आजकल के लोगों की आम समस्या है। गलत खान-पान और लाइफस्टाइल की वजह से वे मोटापे के शिकार हो जाते हैं। इसके अलावा सुबह की गई कुछ गलतियों की वजह से लोगों के शरीर का मैटाबॉलिज्म धीरे काम करने लगता है जो मोटापे का मेन कारण है। इससे न सिर्फ वजन बढ़ता है बल्कि शरीर को कई बीमारियां भी लग जाती हैं। ऐसे में डाइटिंग के अलावा अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव करके मोटापे को कम किया जा सकता है। आइए जानिए सुबह की गई किन गलतियों के कारण वजन बढ़ता है।

1. नींद कम लेना

रात में कम से कम 8 घंटे की नींद लेना बहुत जरूरी है लेकिन इस भागदौड़ भरी जिदंगी में लोगों के पास भरपूर नींद लेने का भी समय नहीं होता। रोजाना कम नींद लेने की वजह से शरीर में वजन बढ़ाने वाले हार्मोन्स लेवल बढ़ जाता है जिससे शरीर मोटापे का शिकार हो जाता है।

2. सुबह पानी न पीना

कई लोग सुबह उठते ही बैड-टी पीते हैं और पानी नहीं पीते। खाली पेट पानी न पीने की वजह से पेट साफ नहीं होता जिससे वजन बढ़ने लगता है। ऐसे में सुबह उठते ही 1 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। इससे शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और मैटाबॉलिज्म भी तेज होता है।

3. समय पर नाश्ता न करना

कई लोग सुबह समय न होने की वजह से ब्रेकफास्ट नहीं करते या देर से करते हैं। इससे रात के खाने और नाश्ते में बहुत लंबा गैप पड़ जाता है जिससे शरीर का मैटाबॉलिज्म कम हो जाता है और वजन बढ़ने लगता है।

4. प्रोटीन की कमी

शरीर में प्रोटीन की कमी होने पर भी मैटाबॉलिज्म बिगड़ जाता है और वजन बढ़ने लगता है। ऐसे में अपने आहार में दूध, दही, पनीर और अंडा जरूर शामिल करें।

5. एक्सरसाइज न करना

वजन बढ़ने का सबसे बड़ा कारण एक्सरसाइज न करना है। इससे शरीर की कैलीरो बर्न नहीं होती और धीरे-धीरे शरीर मोटापे का शिकार हो जाता है। इसके लिए रोजाना दिन में कम से कम आधा घंटा एक्सरसाइज जरूर करें।

स्किन पर लगा हेयर कलर खोल रहा है सफेद बालों की पोल तो ऐसे करें साफ

आजकल असमय होते सफेद बालों से हर कोई परेशान है। बढ़ती उम्र नहीं, आजकल तो छोटी उम्र के लोग भी सफेद होते बालों से की टैंशन में रहते हैं। इससे कई बार शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ सकता है। पार्टी,फक्शन और शादी जैसे मौको पर तो बालों पर कलर करना भी जरूरी हो जाता है लेकिन कई बार जल्दी-जल्दी में हेयर कलर स्किन पर लग जाता है। जो आपके सफेद बालों की पोल खोलने का काम करता है। आप भी इस बात से परेशान हैं तो कुछ आसान से ट्रिक्स आपके काम आ सकते हैं।

1. नेल पॉलिश रिमूवर

यह आसानी से त्वचा पर लगा हेयक कलर साफ कर देता है। इसके लिए रूई पर जरा सा रिमूवर लगाकर स्किन को साफ करें। यह हल्का सा जलन कर सकता है लेकिन इससे कलर साफ हो जाएगा। अगर आपको रिमूवर से एलर्जी है तो इसका इस्तेमाल न करें।

2. टूथपेस्ट

स्किन पर हेयर लग जाए तो जल्दी से इस पर टूथपेस्ट लगाएं। इसे सूख जाने पर साफ कर दें। कलर भी साफ हो जाएगा।

3. बेबी ऑयल

कलर को साफ करने के लिए बेबी ऑयल का इस्तेमाल करें। इस तेल को रूई पर लगाकर कलर लगे हुए स्किन के हिस्से का मसाज करें। इससे एलर्जी भी नहीं होगी और कलर भी साफ हो जाएगा।

4. मेकअप रिमूवर

हेयर कलर के निशान मिटाने के लिए मेकअप रिमूवर भी असरदायक है। रूई पर मेकअप रिमूवर लगा कर स्किन पर लगा हेयर साफ करें।

पिंपल्स फूट जाने पर तुरंत करें ये काम

पिंपल्स के लिए घरेलू उपाय: पिंपल्स, शायद ही कोई इस परेशानी से बच पाता होगा। डेड सेल्स, धूल-मिट्टी और पॉल्यूशन, डैंड्रफ और कई वजहों से चेहरे पर पिंपल्स आ जाते हैं। लेकिन पिंपल्स की परेशानी ज्यादा तब बढ़ जाती है डब आप इसे जाने-अनजाने में फोड़ देते हैं। अगर आप भी ऐसा कुछ करते हैं तो आपकी ये आदत आपके चेहरे के लिए मुसीबत खड़ी कर सकती हैं।

1. टिश्यू
अगर आपने गलती से पिंपल्स फोड़ दिया तो इसके तुरंत बाद एक टिश्यू या साफ कॉटन कपड़ा लें और पिंपल्स पर रखकर इसे दबाएं। इससे पिंपल्स में मौजूद पस और गंदगी बाहर निकल आएगी। टिश्यू और कपड़े की वजह से बैक्टिरिया बाकी स्किन में नहीं फैलेगा. इसके बाद अपने चेहरे को फेसवॉश से अच्छी तरह साफ कर लें।

2. बर्फ
एक बर्फ का टुकड़ा लें और कपड़े में बांधकर इसे पिंपल्स वाली जगह पर रखें। कुछ सेकेंड्स तक रखने के बाद हटाएं और फिर इसे रखें. इस प्रोसेस को 6-7 बार दोहराएं।

3. नीम
नीम में मौजूद एंटी-बैक्टिरिअल प्रोपर्टीज पिंपल्स को भरने में मदद करती है और किसी तरह के इंफेक्शन से बचाती है। इसके लिए बस कुछ नीम के पत्ते लें और इसे पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को पिंपल्स वाले हिस्से पर लगाएं और सूखने पर धो लें।

4. हल्दी
अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है तो हल्दी आपके लिए सेफ ऑप्शन है। थोड़ी सी हल्दी लें और इसका पेस्ट बनाकर पिंपल्स वाले हिस्से पर लगाएं और सूखने पर छुड़ाकर धो लें।

5. टी-ट्री ऑयल
टी-ट्री ऑयल में भी एंटी-बैक्टीर्लि प्रोपर्टीज मौजूद होती है, जो पिंपल्स के घाव को भरकर किसी तरह के इंफेक्शन से बचाती है। टी-ट्री ऑयल की 1-2 बूंदों को 10-15 पानी के बूंदों के साथ मिलाकर मिक्सचर बनाएं। अब इसे कॉटन की मदद से अपने पिंपल्स वाले हिस्से पर लगाएं और 1 घंटे बाद इसे धो लें।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, शुक्रवार
1 सितंबर, 2017

दादा के गुस्से के आगे बीसीसीआई झुका

फिर से खेली जाएगी दिलीप ट्रॉफी

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने दिलीप ट्रॉफी को घरेलू कैलेंडर से हटा दिया था लेकिन पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की आपत्ति के बाद फिर से इसे जगह दे दी गई है। गांगुली की नाराजगी के बाद बीसीसीआई ने घरेलू टूनार्मेंट दिलीप ट्रॉफी टूनार्मेंट के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है, जो गुलाबी गेंद से और डे-नाइट में खेला जाएगा। दिलीप ट्रॉफी का पहला मैच सात सितंबर से खेला जाएगा। आपको बता दें कि दिलीप ट्रॉफी को इस सीजन से बाहर रखा गया था। बीसीसीआई ने व्यस्त कार्यक्रम के चलते इस साल दिलीप ट्रॉफी का आयोजन रद्द करने का फैसला लिया था। लेकिन भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई की तकनीकी समिति के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने मंगलवार को बीसीसीआई के मैनेजर एम.वी. श्रीधर को एक ई-मेल लिखा, जिसमें मौजूदा सीजन में दिलीप ट्रॉफी को फिर से शामिल करने की बात कही गई।

7 से 29 सितंबर तक चलेगा टूनार्मेंट

दिलीप ट्रॉफी टूनार्मेंट 7 सितंबर से 29 सितंबर तक कानपुर और लखनऊ के स्टेडियम में खेला जाएगा। इस टूनार्मेंट में इंडिया रेड, इंडिया ग्रीन, और इंडिया ब्लू में शामिल होंगे। आपको बता दें कि अभिनव मुकुंद को इंडिया रेड, मुरली विजय को इंडिया ग्रीन और सुरेश रैना को इंडिया ब्लू का कप्तान घोषित किया गया है। वहीं, भारत के ऑलराउंडर युवराज सिंह को इस टूनार्मेंट से बाहर रखा गया है।

दिलीप ट्रॉफी में खेलने वाली टीमें

इंडिया ब्लू

सुरेश रैना (कप्तान), समित गोहल, भरत, ईश्वरन, मनोज तिवारी, दीपक हुड्डा, विजय शंकर, इशान किशन, जयंत यादव, भार्गव भट, केएम गांधी, इशांत शर्मा, अंकित राजपूत, एस कामत और उनादकट।

इंडिया रेड

अभिनव मुकुंद (कप्तान), प्रियंक, सुदीप चटर्जी, इशांक जग्गी, अंबाती रायुडु, दिनेश कार्तिक, रिषभ पंत, बाबा इंद्रजीत, गौतम, कर्ण शर्मा, बासिल थंपी, कुलकर्णी, अशोक डिंडा, राहुल सिंह, मिलिंद।

इंडिया ग्रीन

पार्थिव पटेल (कप्तान), मुरली विजय, समर्थ, पी चोपड़ा, श्रेयस अय्यर, करुण नायर, अंकित बावने, नदीम, परवेज रसूल, नवदीप सैनी, सिराज, सिद्धार्थ, मयंक डागर, नितिन सैनी, अंकित चौधरी।

विकेटों के लिए तरस रहे मलिंगा मदद के लिए जहीर खान के पास पहुंचे

कोलंबो। पिछले काफी समय से अपनी फॉर्म से जूझ रहे श्रीलंकाई गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने भारत का रुख किया है। जी हां, करीब डेढ़ साल बाद चोट के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले श्रीलंका के लसिथ मलिंगा को विकेट लेने में खासी मशक्कत करनी पड़ी है। जिसके बाद उन्होंने अपनी गेंदबाजी में सुधार के लिए पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान का रुख किया है। आपको बता दें कि मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों दिग्गजों की बातचीत पल्लेकल में खेले गए तीसरे वनडे मैच के पहले हुई थी। इसके बाद उनकी मुकालात बुधवार को चौथे वनडे मैच

के पहले हुई। दरअसल जहीर खान इस सीरीज में कॉमेंट्री कर रहे हैं। जहीर से मिलने के बाद मलिंगा ने कहा, मैं जहीर खान के साथ 3 से 5 सालों तक आईपीएल में खेला हूं। वह भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के लीजेंड हैं। हम दुनिया के बहुत सारे गेंदबाजों से बातचीत करते हैं। जब मैं उनसे मिलता हूं तो मैं उनका अनुभव जानना चाहता हूं। आपको बता दें कि आईपीएल में ये दोनों दिग्गज तेज गेंदबाज मुंबई इंडियंस के लिए कई सालों तक खेले हैं। मलिंगा ने इस बात को स्वीकार किया कि पहले के मुकाबले उनके पेस में गिरावट देखने को मिली है। इसलिए वह जहीर खान से अपनी गेंदबाजी में सुधार के लिए सलाह मशविरा करना चाहते हैं।

तो क्या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे शृंखला में नहीं खेलेंगे अश्विन?

वोरसेस्टर। भारतीय ऑलराउंडर रविचन्द्र अश्विन ने वोरसेस्टरशर की ओर से ग्लोसेस्टरशर के खिलाफ तीन विकेट और 36 रन बनाकर काउंटी क्रिकेट में धमाकेदार आगाज किया है। रविचंद्रन अश्विन ने कांउटी के चारों मैचों में खेलने की इच्छा इताई है। उन्होंने बताया कि वह यहां पर चारों मैच खेलना चाहते हैं फिर भले ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की शृंखला के लिए उन्हें भारतीय टीम में क्यों ना चुन लिया जाए। चयनकर्ता चाहते हैं कि अश्विन इंग्लैंड के खिलाफ अगले साल पांच टेस्ट मैचों की शृंखला में बड़ी भूमिका निभाए और बीसीसीआई तमिलनाडु के इस ऑफ स्पिनर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों

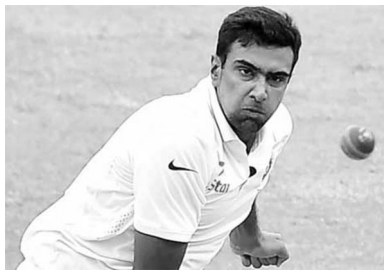

की आगामी शृंखला से बाहर रहने की स्वीकृति दे सकता है। अश्विन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया शृंखला में खेलने के लिए मुझे बुलाया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो अश्विन को सिर्फ एक और मैच खेलने को मिलेगा जो नाटिंघमशर के खिलाफ ट्रेंटब्रिज में होगा। उन्होंने कहा कि लेकिन मैंने बंपी (स्टीव रोड्स, वोरसेस्टरशर के क्रिकेट निदेशक) को संकेत दिए हैं कि मैं सभी चार मैचों के लिए उपलब्ध रहूंगा। फिलहाल कोई संपर्क (बीसीसीआई से) नहीं हुआ है, लेकिन जल्द ही होगा, इसलिए मुझे स्पष्ट चीजें संभवत श्रीलंका शृंखला के बाद पता चलेंगी। अश्विन की नजरें निश्चित तौर पर इंग्लैंड में अगले साल होने वाली शृंखला पर हैं, लेकिन सिर्फ यही उनके काउंटी क्रिकेट खेलने का कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ अगले साल का मामला नहीं है। काउंटी क्रिकेट खेलना हमेशा से सपना रहा है।

हॉकी इंडिया ने 28 सदस्यीय जूनियर महिला कोर ग्रुप की घोषणा की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आज जूनियर महिला राष्ट्रीय शिविर के लिये 28 सदस्यीय कोर ग्रुप की घोषणा की जो आस्ट्रेलयाई हाकी लीग के लिये टीम की तैयारी के मद्देनजर 3 सितंबर से भोपाल में शुरू होगा। कोर ग्रुप को बलजीत सिंह सैनी ट्रेनिंग देंगे जो 20 दिवसीय शिविर के दौरान जूनियर महिला टीम के कोच होंगे। खिलाड़ी भोपाल में भारतीय खेल प्राधिकरण के शिविर में रिपोर्ट करेंगे। खिलाडियों को हाकी इंडिया के हाई परफोरमेंस निदेशक डेविड जान की निगरानी में हुए कड़े चयन ट्रायल के बाद चुना गया। इस ग्रुप में 7 डिफेंडर, 3 गोलकीपरों के अलावा नौ मिडफील्डर और इतनी ही फारवर्ड हैं। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार कि प्रतिभाशाली खिलाडियों के इस ग्रुप को सातवीं हाकी इंडिया राष्ट्रीय महिला हॉकी चैम्पियनशिप 2017 में उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना गया। इससे पहले बेंगलुरू में साइ में लगे पिछले राष्ट्रीय शिविर के दौरान भी खिलाडियों के प्रदर्शन को देखा गया था। विज्ञप्ति के अनुसार 2020 जूनियर महिला विश्व कप के लिये क्वालीफाई करने की मुहिम के तहत खिलाडियों को तैयार किया जा रहा है लेकिन आगामी शिविर आस्ट्रेलियाई हाकी लीग के लिये तैयारी को ध्यान में रखते हुए लगाया गया है।

कोर ग्रुप इस प्रकार है

गोलकीपर : दिव्या थेपे, बीचू देवी खारीबाम, खुशबू। डिफेंडर : नीलू दादिया, अश्मिता बार्ला, प्रियंका, सुमन देवी थोडम, सलीमा टेटे, रितु, मनीषा चौहान। मिडफील्डर : उदिता, इशिका चौधरी, महिमा चौधरी, गगनदीप कौर, निलांजलि राय, मरियाना कुजुर, बलजीत कौर, रीत और साधना सेंगर। फारवर्ड : प्रीति दुबे, संगिता कुमारी, ज्योति, नवप्रीत कौर, मुमताज खान, करिश्मा सिंह, दीपिका सोरेंग, अमरिंदर कौर और लालरिंडिकी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'अक्सर २' में आइटम गीत नहीं कर रही सोफिया हयात

एक्ट्रैस सोफिया हयात ने फिल्म 'अक्सर 2' के आइटम गीत को लेकर चुप्पी तोड़ दी है। उनका कहना है कि वह इस फिल्म में कोई आइटम गीत नहीं कर रही हैं। सोफिया ने कहा, इस (गीत) के बारे में अफवाहें हैं। मेरे दोस्त मुझसे इस बारे में पूछ रहे हैं। अगर निर्माता मुझसे इसके लिए कहते हैं तो मैं जरूर करना पसंद करूंगी। मैं आइटम नंबर के लिए उत्सुक हूं, क्योंकि मैंने पहले कोई आइटम नंबर नहीं किया है। बता दें कि इस सस्पेंस थ्रिलर में गौतम रोडे, जरीन खान और अभिनव शुक्ला जैसे सितारे प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अनंत महादेवन द्वारा निर्देशित फिल्म 6 अक्टूबर को रिलीज होगी।

लोगों को हंसाना जीने का शानदार तरीका: ऋचा

एक्ट्रैस ऋचा चड्ढा का कहना है कि लोगों को हंसाना जीने का शानदार तरीका है। फिल्म 'फुकरे' में भोली पंजाबन का किरदार निभा चुकीं अभिनेत्री ने शो 'क्वीन ऑफ कॉमेडी' की शूटिंग शुरू कर दी है। वह इसके निर्णायकों में से हैं। ऋचा ने कहा, इस शो में होना अद्भुत है। आमतौर पर शूटिंग थकाऊ होती है, लेकिन यह शो तरोताजा कर देता है। कॉमेडी दृश्य में काफी वृद्धि हुई है और मुझे इसके लिए खुशी है। आगे वह कहती है, मुझे इस तरह के असाधारण प्रतिभाशाली कलाकारों से मुलाकात करने में खुशी है। शो की शूटिंग सितंबर के मध्य पूरी हो जाएगी। अक्टूबर में टीएलसी भारत में इसके प्रीमियर की संभावना है।

सोनाक्षी सिन्हा ने जताई इच्छा किसी को जान से चाहती हैं मारना

इन दिनों नेहा धूपिया का शो 'नो फिल्टर नेहा- सीजन 2' काफी चर्चा में है। इसमें अलग-अलग सैलिब्रिटी जाते है। हाल ही में एक्ट्रैस सोनाक्षी सिन्हा भी पहुंची जहा उन्होंने कई सारी बातों के खुलासे किए। जिसमें सोनाक्षी ने ये भी बताया की उनकी इच्छा है कि वो किसी को जान से मार दें (हंसते हुए)। यही नहीं इसके साथ ही सोनाक्षी ने खुद को सेल्फी क्वीन बताते हुए कहा कि मेरे पास शुरू से ही डिजीटल कैमरा था जिसे घुमाकर मैं अपनी खुद की ही फोटोज क्लिक करती थी, लेकिन मुझे नहीं पता था कि बाद में उसे ही सेल्फी का नाम दे दिया जाएगा। शो में सोनाक्षी ने ये भी कहा कि वह जॉन अब्राहम को अपने बॉडीगार्ड के तौर पर देखना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि जॉन से बेहतर दूसरा कोई बॉडीगार्ड हो ही नहीं सकता। इससे पहले दोनों ने 'फोर्स-2' में साथ काम किया था और फिल्म के कई सीन्स में जॉन, सोनाक्षी को बचाते हुए ही नजर आए थे।

जब कंगना ने भरी महफिल में ऋतिक को ललकारा

बॉलीवुड एक्ट्रैस कंगना रणावत और ऋतिक रोशन की लड़ाई काफी सुर्खियों में थी। बताया जा रहा है कि कंगना ने ऋतिक को 'सिली एक्स' कहा था। हाल ही में कंगना रजत शर्मा के शो आप की अदालत का हिस्सा बनी। एक बार फिर से उन्होंने ऋतिक को भरी महफिल में ललकारा है। जहा पर उन्होंने कहा कि वो ऋतिक को बस एक ही शर्त पर माफ करेंगी जब तक वो हाथ जोड़कर मुझसे माफी ना मांगे। खबरों की मानें तो बीते कुछ दिनों पहले कंगना एक इवेंट में पहुंची जहां उन्होंने एक पोर्टल से पूछा था कि क्या उन्होंने ऋतिक रोशन की वजह से 'आशिकी-3' को छोड़ा था तो उन्होंने कहा, ह्हां, मैंने भी ऐसे रयूमर्स सुने हैं। मुझे नहीं पता की सिली एक्स पार्टनर्स पब्लिसिटी पाने के लिए ऐसी हरकते क्यूं करते हैं? मेरे लिए अब वो चैप्टर कब का खत्म हो चुका है और मैं पुरानी बात नहीं दोहराना चाहती। जिस पर ऋतिक ने अभी अपना जवाब कंगना को सुना दिया था। इसके बाद तो जैसे कंगना और ऋतिक के बीच ब्लेम गेम का सिलसिला शुरू हो गया था। थोड़े दिनों तक कंगना और ऋतिक की लड़ाई ने खूब सुर्खियाँ बटोरी थी और कुछ दिनों तक यह मामला ठंडा भी हो गया था लेकिन लगता है कंगना ने अपने सिली एक्स को आसानी से छोड़ने का मन नहीं बनाया है। कंगना ने बताया कि यह सारा मामला ने उन्हें तोड़ दिया था लेकिन वो टूटी नहीं बल्कि इसका डट कर सामना किया। ऋतिक को यह बाते हजम नहीं हुई और उन्होंने कंगना को नोटिस भेजा। जिसके बाद कंगना और ऋतिक की पर्सनल लड़ाई आम हो गयी थी।